दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-180, भोपाल, रविवार 15 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"प्रेम करने वाला व्यक्ति प्रेम की दुनिया में रहता है। झगड़ालू व्यक्ति युद्ध जैसी दुनिया में रहता है। प्रत्येक व्यक्ति जिससे आप मिलते हैं, उसमें आपकी ही छवि होती है।" - केन कैन्स, जूनियर

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2858 मामले, 11 की मौत

नई दिल्ली. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमण के 2858 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 3355 लोगों ने संक्रमण को मात दी है और 11 की मौत हुई है। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 18,096 है। इससे पहले शुक्रवार को 2841 नए केस दर्ज हुए थे और 9 मौतें हुई थीं। कल तक देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 18,604 थी। यानी कल के मुकाबले श?निवार को सक्रिय मामलों में 508 की गिरावट आई है। देश में अब तक कोरोना संक्रमण के 4,31,19,112 मामले दर्ज हो चुके हैं, वहीं 5,24,201 मौतें हुई हैं। देश में अब तक कुल 4,25,76,815 मरीज कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। डेली पॉजिटिविटी रेट 0.59 फीसदी है। एक्टिव केस कुल संक्रमण का 0.04 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 1,91,15,90,37 से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। बीते 24 घंटे में देश में कोविड वैक्सीन की 15,04,734 डोज लगाई गई है।

लावारिस ट्रेक्टर में मिले सागौन लकड़ी के 18 नग बल्ली-जप्त

कोरबा. कोरबा जिले के कटघोरा थानांतर्गत आमाखोखरा में एक लावारिस ट्रेक्टर के खड़े होने की सूचना कटघोरा पुलिस प्राप्त हुई। कटघोरा पुलिस जब मौके पर पहुंची तो ट्रेक्टर के विषय पर आस-पास में लोगों से जानकारी ली गई लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। जब पुलिस ने ट्रेक्टर की जांच की तो उसमें 18 नग सागौन लकड़ी के बल्ली रखे थे।

सीमा पार से आ रहे ड्रोन पर बीएसएफ ने की फायरिंग, लौटना पड़ा वापस

जम्मू। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों की सतर्कता के चलते शनिवार तड़के पाकिस्तान की ओर से आ रहे एक ड्रोन पर कई गोलियां बरसाईं, जिससे उसे वापस जाना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाके में यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया है कि ड्रोन से कोई हथियार या मादक पदार्थ न गिराया गया हो। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (जम्मू फ्रंटियर) एसपी संधू ने कहा, 'शनिवार तड़के चौकन्ने बीएसएफ जवानों ने आसमान में चमकती रोशनी देखी और अरनिया इलाके में तत्काल उसकी दिशा में गोलियां चलाईं.

बीजापुर क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता

बीजापुर। क्षेत्रीय विधायक एवं बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम शाह मंडावी को राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत नैमेड से दो किलो मीटर दूर बसे कुरसम पारा की रहने वाली सरिता कुरसम ने पिछले फऱवरी माह में मोबाइल फ़ोन पर कुरसम पारा की सड़क को ग्राम नैमेड से जोडऩे की गुहार लगाते हुए कहा था कि कुरसम पारा में रहने वाले लोगों को बरसात के दिनों में सड़क नहीं होने से आने-जाने में भारी समस्याओं का सामना करना पढ़ता है, सड़क नहीं होने से आपातकालीन सेवाएँ भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती है इसलिए इस सड़क का निर्माण बारिश के पहले किसी तरह बनाया जाए।

भोज कुलपति के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज की शिकायत

करोडों के भ्रष्टाचार का आरोप, कुलपति और शिकायतकर्ता के बयान भी दर्ज

भोपाल . राजधानी के भोज विश्वविद्यालय के कुलपति जयंत सोनवलकर के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर ईओडब्ल्यू ने शिकायत दर्ज कर ली है। ईओडब्ल्यू ने इस संबंध में आडिट विभाग मप्र शासन, राजभवन एवं उच्च शिक्षा विभाग के प्रमाणित दस्तावेजों आदि को आधार बनाते हुए कार्रवाई की है। इसमें यह बात सामने आई है कि पिछले दो वर्षों से भोज विवि में किए जा रहे आर्थिक घोटालों में छह करोड़ का सुरक्षा एजेंसी घोटाला सामने आया है। विवि में कार्यरत लगभग 150 कर्मचारियों के खातों में निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा ईपीएफ और कर्मचारी बीमा राशि जमा नही करने पर भी सुरक्षा एजेंसियों को अवैध भुगतान कर दिया, जबकि पिछले पांच वर्षों के आडिट प्रतिवेदनों में भी ये आपत्ति यथावत है कि कर्मचारियों के इन खातों में राशि जमा न होने पर निजी सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान न किया जाए, लेकिन रिश्वतखोरी के आधार पर निजी सुरक्षा एजेंसियों को रोकी गई राशि भुगतान की गई है। ये घोटाला पिछले पांच वर्षों में जिन कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान आकस्मिक मौतें और कुछ कर्मचारियों को गंभीर बीमारियां होने के कारण उनको ईएसआईसी द्वारा कोई बीमा राशि नहीं दी और इन कमर्चारियों के बीमा खातों में कोई राशि जमा होना ही नहीं पाई गई। विश्वविद्यालय में कार्यरत एवं सेवा से बाहर किए गए कर्मचारियों ने कोरोना के दौरान आर्थिक तंगी के चलते जब ईपीएफ राशि प्राप्त करना चाही तो उनके खातों में ये राशि जमा ही नहीं पाई गई। इन अनियमितताओं के संबंध में विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड की स्वीकृति बताकर अपना पल्ला झाड़ लेता है। यदि उक्त प्रकरणों की जांच हो जाये तो आर्थिक अनियमितताएं और रिश्वतखोरी स्वत: सामनें आ जाएंगी। उक्त घोटालों की जांच कुलपति सोनवलकर द्वारा रिश्वत कें अलावा और कोई आधार पर नही रोकी जा सकती। सूत्रों के अनुसार, भोज विवि द्वारा नियमानुसार इन निजी सुरक्षा एजेंसियों से किए गए अनुबंध में ये शर्त अनिवार्य थी कि निजी सुरक्षा एजेंसी अपने द्वारा उपलब्ध कराए गए कर्मचारियों को कलेक्टर दर से उनके बैंक खातों में वेतन राशि और 25.6 फीसद राशि उनके ईपीएफ खातों में और 2 फीसद राशि उनके बीमा खातों में जमा करेगी। इन भुगतान की रसीदों के साथ प्रस्तुत देयकों पर भुगतान किया जाएगा, लेकिन इन अभिलेखों की अनुपलब्धता के कारण आडिट द्वारा करोड़ों के भुगतान रोक दिए गए थे, क्योंकि निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अनुबंध होने के एक दो माह तक तो उक्त राशियां भुगतान की गई, लेकिन कर्मचारियों को वेतन भुगतान उनके बैंक खातों में न करके निर्धारित राशि से कम राशियों का भुगतान किया गया और रसीद लगभग दोगुनी राशि की प्राप्त की गई। ये भी ज्ञातव्य है कि वर्ष 2017 से 19 के मध्य कई निजी सुरक्षा एजेंसियों को बिना खुली निविदा के करोड़ों का भुगतान किया गया। वर्ष 2018 में जिस खुली निविदा द्वारा सुरक्षा एजेंसी का चयन किया जाना था उसकी विज्ञापित धरोहर राशि 15 लाख से कुलपति द्वारा डेढ़ लाख कर दी गई थी और अन्य निविदाकारों की धरोहर राशि के बैंक ड्राफ्ट गुमा दिए गए थे। हालांकि इस मामले में कुलपति जयंत सोनवलकर का कहना है कि सभी आरोप झूठे हैं।

संगठन मजबूत करने की कवायद में कांग्रेस, 50 से कम उम्र के लोगों को दिया जा सकता है 50 फीसदी प्रतिनिधित्व

उदयपुर। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी इन दिनों संगठन को मजबूत करने की कवायद में जुटी है। अपनी स्थानीय स्तर की कमेटी से लेकर कार्य समिति तक 50 साल के कम उम्र के लोगों को 50 प्रतिशित प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था लागू कर सकती है। पार्टी युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी को लेकर भी चर्चा कर रही है और उसका कहना है कि उसके शासन वाले राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में योजनाओं को लागू किया जा सकता है जिन परचिंतन शिविर में चर्चा हो रही है। पार्टी महासचिव अजय माकन के अनुसार, युवाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के प्रस्ताव पर चिंतिन शिविर में चर्चा होगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'संगठन में स्थानीय समिति से लेकर कांग्रेस कार्य समिति तक, हर समिति में 50 प्रतिशत स्थान 50 साल से कम उम्र के लोगों को दिए जाने का भी प्रस्ताव रखा गया है।' कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि '50 बिलो 50 फामूर्ला' (50 साल से कम के लोगों को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व) को लागू किया जाए। उन्होंले कहा, 'ब्लॉक कमेटी से लेकर कांग्रेस कार्य समिति में 50 साल से कम उम्र के लोगों को 50 फीसदी प्रतिनिधित्व देने का विचार आया है। 50 बिलो 50 फामूर्ला लागू हो, यह संभव है।' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, '50 साल के कम का अर्थ यह भी है कि 45 साल के नेता को जगह मिल सकती है, 40 साल के युवा को भी जगह मिल सकती है।'

पार्टी प्रवक्ता अलका लांबा ने रोजगार के अधिकार का उल्लेख करते हुए कहा, यह चर्चा में आया है। जो भी बात हो रही है कानूनी हो रही है। सूचना का अधिकार आया, भोजन का अधिकार आया, शिक्षा का अधिकार आया। यह कोशिश है कि कांग्रेस मजबूत विपक्ष के तौर पर अगले दो साल में इस (केंद्र) सरकार को कैसे इसे लागू करने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें हैं वहां चर्चा में शामिल सभी बातों को लागू करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया जाए ताकि भाजपा शासित राज्यों में इन्हें लागू कराया जा सके। अलका लांबा ने बताया कि कांग्रेस के चिंतन शिविर में युवाओं से जुड़े मुद्दों पर 12 घंटे 30 मिनट चर्चा होगी। राज्यसभा सदस्य जेबी मैथर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सरकार सांप्रदायिक एजेंडे के साथ आगे बढ़ा रही है और इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर रही है।

कांग्रेस को करना चाहिए आत्मचिंतन, देश पीएम मोदी के हाथों में पूरी तरह सुरक्षित : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस को देश की राजनीति में औचित्य बनाए रखने के लिए आत्मचिंतन करना चाहिए, न कि देश के बारे में चिंतन करना चाहिए, क्योंकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में सुरक्षित है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब कांग्रेस का राजस्थान में झीलों की नगरी कहे जाने वाले उदयपुर में तीन दिवसीय चिंतन शिविर शुरू हुआ। इस शिविर का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश में डर के माहौल और ध्रुवीकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि उनके न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन' का मतलब कुछ और नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करना एवं असल मुद्दों से ध्यान भटकाना है।

ज्ञान व्यापी का अर्थ ज्ञान का कुंआ, इसका कुरान में कहीं कोई जिक्र नहीं : साक्षी महाराज

उन्नाव। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद में उन्नाव के सासंद साक्षी महाराज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ज्ञान वापी जैसा शब्द कुरान में कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी का अर्थ है ज्ञान का सरोवर या ज्ञान का कुआं, इसके अर्थ से ही यह स्पष्ट होता है कि वह स्थान ज्ञान के प्रदाता भगवान शिव का है। ज्ञानवापी में विवाद का कोई मतलब नहीं है। मथुरा मामले में भी भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने बयान दिया। उन्होंने कहा मथुरा में ईदगाह आक्रांताओं ने भगवान कृष्ण के मंदिर को तोड़कर बनाया था। मथुरा का मामला कोर्ट में है कोर्ट जो भी निर्णय लेगा हमसे स्वीकार करेंगे। दरअसल, अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले भाजपा सांसद साक्षी महाराज शुक्रवार को उन्नाव प्रवास पर रहे। यहां सांसद ने एक कॉलेज में टेबलेट और स्मार्ट फोन वितरण किया। इस दौरान सांसद ने छात्र-छात्राओं को भविष्य में नई बुलंदियों को छूने का आशीर्वाद दिया। सांसद साक्षी महाराज ने ओवैसी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा ओवैसी ने कहा था कि अयोध्या में भगवान राम के नाम पर एक ईंट नहीं रखी जा सकती है.

पुलिस पेपर लीक मामला- हिमाचल में एक्सपर्ट एजेंसी के बावजूद विभाग ही क्यों करवा रहा परीक्षा

शिमला. हिमाचल प्रदेश में पुलिस भर्ती का प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सुर्खियों में है। पुलिस महकमे को तो फजीहत का सामना करना पड़ ही रहा है। साथ ही राष्ट्रीय पटल पर सरकार की भी किरकिरी हो रही है।

जांच कर रही एसआईटी के हाथ असल गुनहगारों के गिरेबान तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसी बीच एक बड़ा सवाल भी उठ खड़ा हुआ है। इसके मुताबिक जब प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए एक्सपर्ट एजेंसी के तौर पर हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग मौजूद है तो पुलिस विभाग परीक्षा आयोजित करने को लेकर खुद क्यों उलझ गया। 27 मार्च 2022 को पुलिस विभाग के टॉप से बॉटम तक अधिकारी व कर्मचारी केवल और केवल परीक्षा आयोजित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाते नजर आए। ऐसे में अगर आपराधिक घटनाएं हो जाती तो कानून के रखवालों को मुसीबत का सामना करना पड़ता। गौरतलब है कि इससे पहले भी पंचायत सचिवों की भर्ती प्रक्रिया भी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को सौंपी गई थी। ये प्रक्रिया भी रामभरोसे चल रही है। पेपर लीक होने के बाद पुलिस की छवि पर दाग लगा है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने परीक्षा रद्द करने के दौरान कहा था कि इस महीने के अंत तक परीक्षा का पुन: आयोजन कर लिया जाएगा। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी अगली तिथि निर्धारित नहीं हुई है। ऐसा भी माना जा रहा है कि पुलिस मुख्यालय में शीर्ष अधिकारियों की अदला-बदली के बाद ही नई तिथि तय होगी।

शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए- गृहमंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के ग्रहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि गुना के आरोन में मुठभेड़ में शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घटना के दोषी अपराधियों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि गुना में देर रात हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना को लेकर मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री जी के साथ उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुआ। बैठक में सीएस,

डीजीपी, एडीजी, पीएस गृह सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को 1ङ्क1 करोड़ की आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। सभी अपराधी चिन्हित कर लिए गए हैं। हमारे जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। अपराधियों के खिलाफ़ ऐसी कार्रवाई करेंगे जो कि नजीर बन जाएगी।

ज्ञातहो कि गुना जिले के आरोन थाना क्षेत्र ?में 7-8 मोटरसाइकिल सवार बदमाशों की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने बदमाशों को चारों तरफ से घेर लिया। जिस पर बदमाशों ने फायरिंग शुरु कर दी। जिसमें पुलिस परिवार के जाबांज एसआई राजकुमार जाटव, हवलदार नीलेश भार्गव और सिपाही संतराम जी की मौत हो गई है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि घटना दुखद और हृदय विदारक है। मैंने जिले के पुलिस अधीक्षक और डीजीपी से घटना की जानकारी ली। अपराधियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है जो नजीर बने।

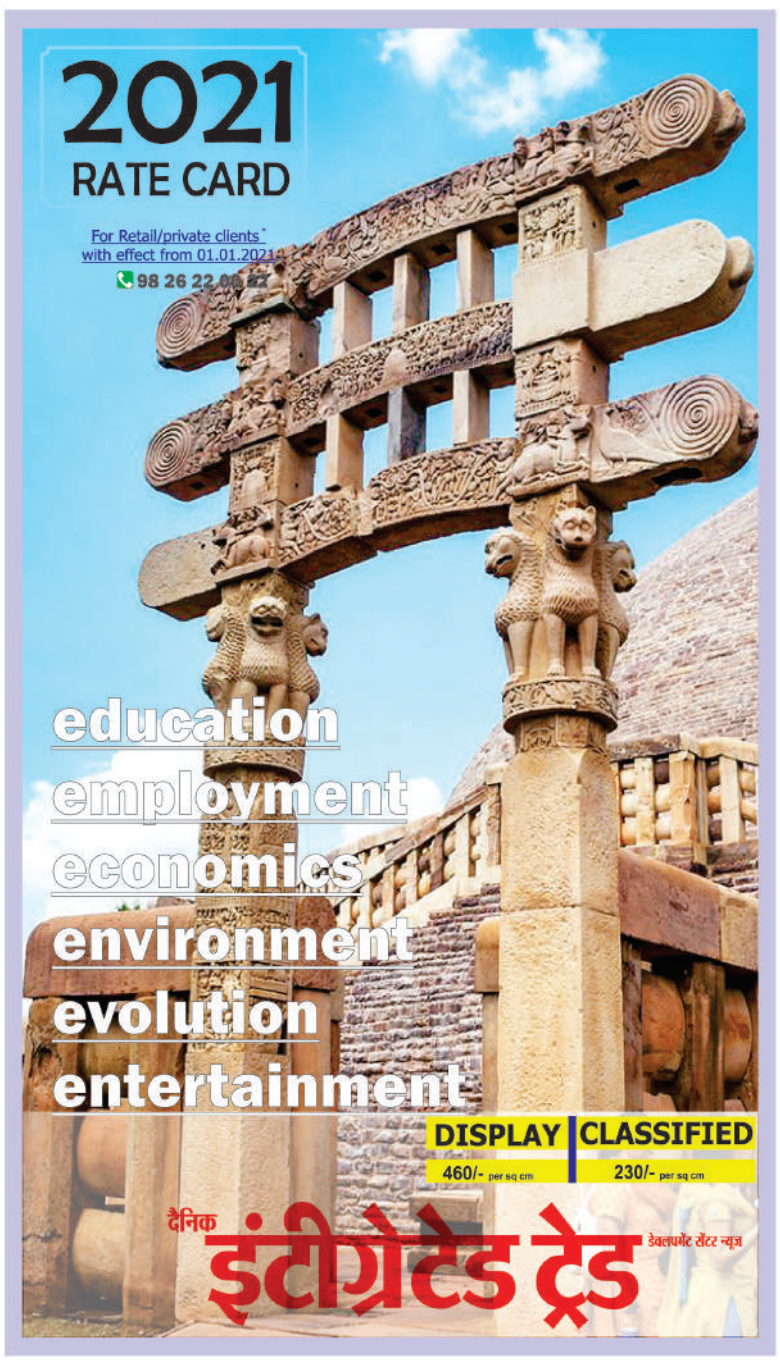

न्यूज ब्रीफ

आगामी वर्षों में परम्परागत से अधिक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन की संभावना

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने शुक्रवार को विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी प्रगतिरत परियोजनाएँ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। छह सौ मेगावॉट की ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना के द्वितीय चरण के लिये जल्द ही निविदा आमंत्रित की जा रही है। प्रथम चरण में 300 मेगावॉट की रिवर्स बिडिंग यूनिट में 3 यूनिट के लिये एनएचडीसी, एएमपी एनर्जी और एसजेवीएन लिमिटेड का चयन न्यूनतम दरों के साथ किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि विभिन्न परियोजनाओं के पूरा होने पर प्रदेश में ग्रीन ऊर्जा का उत्पादन परम्परागत ऊर्जा से अधिक हो जायेगा। विभागीय प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे भी मौजूद थे। बैठक में जानकारी दी गई कि कि आगर सौर परियोजना (550 मेगावॉट), शाजापुर सौर परियोजना (450 मेगावॉट) और नीमच सौर परियोजना (500 मेगावॉट) के विकासकों की चयन प्रक्रिया पूर्ण की जाकर 95 प्रतिशत भूमि आवंटित कर दी गई है। शेष भूमि आवंटन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। परियोजनाओं से जून-2023 में उत्पादन प्रस्तावित है।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के लिए पृथक विद्युत कनेक्शन लेना अनिवार्य

भोपाल। इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए अब अलग से बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं द्वारा घरेलू, कृषि अथवा अन्य प्रयोजन से लिये गये बिजली कनेक्शन का उपयोग वाहन चार्ज करने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 की उपधारा 2 के तहत ई-रिक्शा/वाहन एवं संबंधित उपकरणों को जब्त कर सख्त कार्यवाही की जाएगी। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करने वालों को विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित दरों पर पृथक मीटर के माध्यम से ही विद्युत का उपयोग करना होगा। वाहनों के चार्जिंग के लिए उपयुक्त श्रेणी में त्वरित कनेक्शन दिये जाएंगे ।ऐसे व्यक्ति जो मीटर को बायपास कर या विद्युत चोरी कर अपना इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करते पाए जाते हैं तो ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा विद्युत वाहनों के चार्जिंग के लिए बिजली की पृथक से दरें निर्धारित की गई हैं।

दोषियों को किसी भी स्थिति में न छोड़ा जाए, मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

गुना जिले में हुई घटना के अपराधियों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

- दिवंगत पुलिसकर्मियों को शहीद का दर्जा
- शहीदों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपए की सम्मान निधि
- शहीद के परिवार के एक सदस्य को शासकीय नोकरी
- ग्वालियर आईजी को हटाने के निर्देश
- पूरी घटना की होगी विस्तृत जांच
- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बुलाई आपात बैठक

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रातः निवास कार्यालय में आपात बैठक बुलाकर गुना जिले में कल मध्य रात्रि पुलिसकर्मियों और शिकारियों के मध्य हुई गोलीबारी की घटना और पुलिसकर्मियों की मृत्यु के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में निर्देश दिए कि पुलिस द्वारा तत्काल इस घटना के दोषी अपराधियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। घटना की विस्तृत जांच करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घटना स्थल पर विलम्ब से पहुंचने पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर को दोषी मानते हुए उन्हें हटाने के निर्देश दिए। बैठक में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा उपस्थित थे। पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस घटना में शहादत देने वाले तीनों पुलिस के साथी सब इंस्पेक्टर श्री राजकुमार जाटव, आरक्षक श्री नीरज भार्गव और आरक्षक श्री संतराम की शहादत व्यर्थ नहीं जाने दी जाएगी। इन्होंने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने जीवन को न्यौछावर किया है। उन्हें शहीद का दर्जा देकर परिजन को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी जाएगी। साथ ही परिवार के एक सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी जो शहीद हुए हैं उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार हो। अंत्येष्टि में मंत्रीगण, जन-प्रतिनिधि और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारे पुलिस के मित्रों ने शिकारियों का मुकाबला करते हुए शहादत दी है। इस घटना में दोषी अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो इतिहास में उदाहरण बनेगी। अपराधियों की पहचान हो गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि प्रकरण में सख्त कार्रवाई की जाए। यह कार्रवाई उदाहरण बनाना चाहिए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, एडीजी श्री आदर्श कटियार और ओएसडी मुख्यमंत्री कार्यालय श्री योगेश चौधरी उपस्थित थे।

भोपाल में नई पार्किंग पॉलिसी

15 मई से शोरूम पर लाइफटाइम पार्किंग चार्ज वसूलेंगे, 250 से 5 हजार रुपए तक देने होंगे

भोपाल

भोपाल में 1 मई से नई पार्किंग पॉलिसी लागू हो चुकी है। इसमें मल्टीलेवल और प्रीमियम पार्किंग को छोड़ करीब 55 पार्किंग फ्री की गई है। अब 15 मई से लाइफ टाइम पार्किंग चार्ज वसूला जाएगा। इसमें टूव्हीलर-फोर व्हीलर शोरूम से गाड़ी खरीदते समय ही 250 से 5 हजार रुपए तक लिए जाएंगे। यदि आप 1 लाख रुपए के अंदर कीमत वाली टूव्हीलर खरीदते हैं तो आपको 500 रुपए अलग से देने होंगे। हालांकि, डीलर्स नगर निगम के इस आदेश का विरोध भी जता रहे हैं। नई पार्किंग पॉलिसी और शोरूम से ही लाइफ टाइम पार्किंग चार्ज वसूले जाने के पीछे निगम का तर्क है कि इससे लोगों को सुविधा और बचत दोनों ही होगी। उन्हें तय करीब 55 पार्किंग स्थल से पर गाड़ी पार्किंग करने पर कोई चार्ज नहीं देना पड़ेगा। दूसरी ओर बदसलूकी या दुर्व्यवहार की शिकायतें भी नहीं होंगी। पुरानी गाड़ियों को लेकर कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा।

बाहर के लोग निगम को टैक्स क्यों दें

नई गाड़ी खरीदते समय लोग शोरूम के डीलर को लाइफ टाइम टैक्स जमा कराएंगे। फिर यह राशि डीलर नगर निगम को जमा कराएंगे। हालांकि, डीलर इस नई पॉलिसी का विरोध जमा रहे हैं। ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष पांडे ने बताया, भोपाल के शोरूम से आसपास के जिलों के लोग भी गाड़ियां खरीदते हैं। वे टैक्स क्यों दें? यह पॉलिसी ठीक नहीं है। इसका विरोध कर रहे हैं।

ऑनस्ट्रीट-ऑफ स्ट्रीट पार्किंग फ्री:- शहर में वर्तमान में संचालित एवं नई प्रस्तावित सभी मल्टीलेवल पार्किंग एवं प्रीमियम पार्किंग को छोड़कर वर्तमान एवं नई प्रस्तावित समस्त ऑनस्ट्रीट/ऑफस्ट्रीट पार्किंग फ्री रहेगी। मल्टीलेवल एवं प्रीमियम पार्किंग में पहले की तरह पार्किंग शुल्क वसूली जारी रहेगी। निशुल्क पार्किंग की सुविधा निगम द्वारा निशुल्क घोषित पार्किंग स्थलों पर ही उपलब्ध होगी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश ने की सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से केन्द्रीय राज्य मंत्री रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश ने आज राजभवन में सौजन्य भेंट की। श्रीमती जरदोश ने राज्यपाल श्री पटेल का पुष्पगुच्छ और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। दोनों ने विकास के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल ने श्रीमती जरदोश को शॉल और स्मृति-चिंह भेंट किया।

यूएनडीपी प्रदेश के 75 स्वास्थ्य केन्द्र में लगाएगा सोलर पेनल

मंत्री श्री डंग से मिला यूएनडीपी का दल

भोपाल

पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग को यूएनडीपी के प्रतिनिधि श्री श्रीनिवास ने बताया कि यूएनडीपी (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) ने मध्यप्रदेश सहित भारत के 10 राज्य में सौर ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण के कार्य करने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश में संस्था 75 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सौर ऊर्जाकृत करने के साथ डिजीटलाइज् मॉनिटरिंग सिस्टम भी लगाएगी। यूएनडीपी प्रदेश में 15 इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित करेगी, जिसमें से अधिकांश इंदौर में होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 सोलर कोल्ड स्टोरेज और 50 सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाई में एनर्जी ऑडिट करेगी।

मंत्री श्री डंग ने यूएनडीपी द्वारा ग्रीन ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में किये जाने वाले कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अन्य ऐसी परियोजनाएँ भी मध्यप्रदेश में लाएँ, जो ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु संतुलन की दिशा में काफी कारगर हों। श्री श्रीनिवास ने बताया कि भारत के लिये निर्धारित लक्ष्य में से करीब 12 करोड़ रूपये मध्यप्रदेश के कार्यों के लिये निर्धारित किये गये हैं। इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल प्रशिक्षण में 500 से 1000 तक युवा लाभान्वित होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है भारत : चन्द्रशेखर

भोपाल

केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर ने ग्रामीण जनजातीय तकनीकी प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित किया। राज्य मंत्री श्री चन्द्रशेखर ने क्रिस्प की कार्य-प्रणाली की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक वेल्यू और उत्पादन पर विश्व में गहरा प्रभाव पड़ा है। भारत एक इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्र के रूप में तेजी से विश्व पटल पर अपना स्थान बना रहा है। वर्ष 2014 में भारत में एक लाख करोड़ रूपये मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का उत्पादन हो रहा था, जो आज बढ़कर 6 लाख करोड़ पहुँच चुका है।

जनजातीय पाठ्यक्रम-प्रयोगशाला का शुभारंभ

केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के विशेष सचिव श्री अतुल तिवारी ने आज क्रिस्प में ग्रामीण जनजातीय तकनीशियन प्रशिक्षण की प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। श्री तिवारी और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वेदमणि तिवारी ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विमोचन भी किया। श्री अतुल तिवारी और श्री वेदमणि तिवारी ने गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों से प्रशिक्षण के लिये आए विद्यार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने क्रिस्प में चल रहे डीआरडीओ वैज्ञानिकों के हायड्रोलिक्स प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया। श्री तिवारी ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी को अपने गाँव से दूर नहीं जाना पड़ेगा। वह अपने गाँव में जाकर इस हुनर द्वारा आय अर्जित कर सकते हैं। श्री तिवारी ने एयर कंडिश्नर, फ्रिज, वॉशिंग मशीन आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संबंधित प्रशिक्षण के उपकरणों का जायजा भी लिया। क्रिस्प के प्रबंध संचालक डॉ. श्रीकांत पाटिल और संचालक श्री अमोल वैद्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने नीम और पीपल के पौधे लगाए

- हैवन्स लाइफ संस्था और पंचतत्व फाउंडेशन भी पौध-रोपण में हुए शामिल
- क्षिप्रा दीदी ने भेंट की पुस्तक 'रेवा'

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में पीपल और नीम के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री के साथ हैवन्स लाइफ रहवासी रख-रखाव सहकारी संस्था भोपाल के पदाधिकारियों और पंचतत्व फाउंडेशन की संस्थापक वाटर वूमेन सुश्री क्षिप्रा पाठक दीदी ने भी पौधे लगाए। स्मार्ट पार्क में हैवन्स लाइफ रहवासी सहकारी संस्था मर्यादित के श्री अमित मंडलोई, श्री श्याम वल्लभ अग्रवाल, श्री नवनीत कुमार व्यास और श्री जयपाल सिंह राजपूत के साथ नीम का पौधा लगाया। संस्था द्वारा कालोनी में कचरा निष्पादन और पर्यावरण-संरक्षण हेतु कार्य किए जा रहे हैं।

सुश्री क्षिप्रा पाठक ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को अपनी पुस्तक रेवा भेंट की। नर्मदा परिक्रमा और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेने वाली क्षिप्रा दीदी अब तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर की पद यात्रा कर चुकी हैं। वे जन-जागरुकता के लिए भी प्रयासरत हैं। क्षिप्रा दीदी मैकल पर्वत की परिक्रमा भी कर चुकी हैं। उन्हें जल को जीवन समर्पित करने के लिए वॉटर वुमन कहा जाता है। इनके फ़ाउंडेशन ने कोरोना काल में तीन लाख पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ आज पौध-रोपण करने वाली हैवंस संस्था ने तीस एकड़ क्षेत्र में स्वच्छता और कचरा निष्पादन का कार्य किया हैं। संस्था ने सूखे कचरे के लिए डस्टविन और 12 पार्क में फूल और फलदार पौधे भी लगाए गए हैं। पॉलीथीन के उपयोग को रोकने के लिए संस्था नागरिकों को जागरूक करती है। आज लगाया गए पौधों में पीपल एक छायादार वृक्ष है। यह पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व है। नीम का पेड़ बहुत उपयोगी है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

अधिकारियों ने दिया आश्वासन..अटल ने संदीप का खत्म कराई भूख हड़ताल

किसान नेता ने कहा- 10 दिन करूंगा इंतजार, फिर करूंगा जीएम का घेराव

बिलासपुर। कोटा बेलगहना, खोंगसरा रेल स्टापेज बन्द किए जाने के बाद दस मई से बेलगना में भूख हड़ताल पर बैठे किसान कांग्रेस नेता संदीप शुक्ला ने अनशन तोड़ दिया है। अनशन रेलवे कर्मचारियों के आश्वासन के बाद पर्यटन मण्डल चैयरमैन अटल श्रीवास्तव और प्रमोद नायक की मौजूदगी में तोड़ा। साथ ही एलान भी किया कि यदि रेल प्रशासन ने दस दिन के अन्दर मांग को गंभीरता से नहीं लिया तो खोडरी से जनता के साथ सभी स्टेशनों से बिलासपुर तक पदयात्रा करेंगे। जीएम कार्यालय का घेराव भी करेंगे।

बेलगहना में चार दिनों से चल रहे भूख हड़ताल स्थल पहुंचकर पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव और सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रमोद नायक ने संदीप शुक्ला का भूख हड़ताल तुड़वाया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया की संदीप शुक्ला की मांग को उच्च अधिकारियों के सामने गंभीरता से रखा जाएगा।

जानकारी देते चलें कि रेल प्रशासन ने तुगलकी फरमान जारी कर बेलगहना, कोटा, खोंगसरा में स्टापेज को बंद कर दिया। स्टापेज बन्द किए जाने से नाराज किसान कांग्रेस नेता संदीप शुक्ला की अगुवाई में ग्रामीणों ने बेलगहना में क्रमिक आंदोलन के बाद दस मई से भूख हड़ताल शुरू किया।

संदीप शुक्ला के भूख हड़ताल पर जाने के बाद सपास की महिलाए जनप्रतिनिधि और समर्थकों ने भी धरना स्थल पहुंचकर भूख हड़ताल शुरूकर किया।

हड़ताल में बढ़ती भीड़ और समर्थन को देखते हुए रेलवे अधिकारी एस.भारतीयन-सहायक वाणिज्य प्रबंधक, पी.के.नगायच-मुख्य वाणिज्य निरीक्षक बिलासपुर, एस.डी.एम. कोटा तुलाराम भारद्वाज धरना स्थल पहुंचे। अधिकारियों ने अटल श्रीवास्तव और प्रमोद नायक की उपस्थिति में आश्वासन दिया कि मांगों को मण्डल कार्यालय, महाप्रबंधक कार्यालय के सामने रखा जाएगा। साथ ही वस्तुस्थिति से रेलवे बोर्ड को भी अवगत कराया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि स्टापेज बंद करने का निर्णय रेलवे बोर्ड ने पूरे देश में लिया है। जिसका असर हमारे जोन पर भी पड़ा है। इसलिए स्टापेज चालू करने का फैसला बोर्ड ही करेगा । भूख हड़ताल तोडने के बाद संदीप शुक्ला ने कहा कि धरना स्थल पहुंचकर समर्थन देने पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेस नेता अटल श्रीवास्तव, प्रमोद नायक, अभय नारायण समेत सभी कांग्रेस साथियों का आभारी हूं। यदि दस दिनों के अन्दर मांग पर विचार नहीं किया गया तो खोडरी से बिलासपुर तक सभी स्टेशनों से होकर पदयात्रा करूंगा। बिलासपुर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव भी करूंगाजरूरत पडने पर उग्र आंदोलन कर कोयला लदान बंद किया जायेगा। आंदोलन स्थल पर मौजूद सभी सत्याग्रहियों ने रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के समर्थन में आवाज को बुलंद किया।

धन-वापसी के लिए मूल प्रमाणपत्र 30 जून तक जमा करना अनिवार्य : लोढ़ा कमेटी

बिलासपुर । पीएसीएल कम्पनी से धन वापसी के लिए निवेशकों को अपना मूल पंजीयन प्रमाण पत्र जमा करना होगा। पीएसीएल से सम्बंधित जस्टिस सेवानिवृत्त आर.एम.लोढ़ा समिति ने धन वापसी के लिए मूल प्रमाण पत्र मंगाने का निर्णय लिया है। समिति की ओर से ऐसे निवेशकों को एसएमएस जायेगा, तब वे इस साल 30 जून 2022 तक मुम्बई के पते पर प्रमाण पत्र भेजना सुनिश्चित करेंगे। प्रमाण पत्र भेजने का पता- पोस्ट ऑफिस बॉक्स नम्बर 66, बेलापुर पोस्ट ऑफिस नवी मुम्बई -400614 है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय बिलासपुर से इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जस्टिस लोढ़ा समिति ने पीएसीएल से धन वापसी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। जिसके अनुसार उन पात्र निवेशकों से पीएसीएल के मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र मंगाने का निर्णय लिया है जिनके दावे की रकम 10,001रुपये से 15,000 रुपये तक की है और जिनके आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया जा चुका है। इस उद्देश्य के लिए पात्र निवेशकों को समिति की ओर से एसएमएस संदेश भेजा जाएगा जिसमें उनसे पीएसीएल के मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने को कहा जायेगा। बताया गया कि पीएसीएल के जिन निवेशकों को समिति की ओर से ऐसा संदेश मिले जिसमें उनसे पीएसीएल द्वारा जारी गए मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने को कहा जाए, वे निवेशक कृपया अपने मूल प्रमाणपत्र उपरोक्तानुसार अंकित पते पर 30 जून को शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से भिजवाएं।

कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर का पटेल समाज ने किया अभिनंदन

कबीरधाम जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में मिला प्रतिनिधि मंडल

रायपुर। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री व कवर्धा के विधायक मोहम्मद अकबर से उनके राजधानी स्थित निवास कार्यालय में मरार (पटेल) समाज के कबीरधाम जिला इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल में पटेल समाज के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष भगवान सिंह पटेल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

कबीरधाम जिला अध्यक्ष भगवान सिंह पटेल ने कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा पटेल समाज के हित में किए जा रहे कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। कैबिनेट मंत्री ने भगवान सिंह पटेल को जिला अध्यक्ष निर्वाचित होने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री ने जिला अध्यक्ष को पटेल समाज की मजबूती के लिए समाज के सभी लोगों को साथ लेकर चलने कहा। मोहम्मद अकबर ने पटेल समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि पटेल समाज मेहनतकश समाज है। जो कि दिन-रात एक कर अपना पसीना बहाते हुए शाक-सब्जी व अन्य फसलों का उत्पादन करता है। कैबिनेट मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल के समक्ष अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि आज पटेल समाज राजनैतिक रूप से जागरूक समाज है। पटेल समाज के लोग आज छत्तीसगढ़ शासन के अलग-अलग इकाई में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पटेल समाज के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह पटेल ने कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर को भरोसा दिलाया कि वे समाज के सभी लोगों को विश्वास में लेते हुए समाज के हित में सदैव सक्रिय रहेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि कैबिनेट मंत्री भविष्य में पटेल समाज को नई-नई सौगात देते रहेंगे।

पटेल समाज के प्रतिनिधि मंडल में भगवान सिंह पटेल सहित, हरि पटेल सदस्य छत्तीसगढ़ शाकंबरी बोर्ड, राजू पटेल जिला इकाई सचिव, तुलसी पटेल जिला प्रवक्ता, राम चरण कुसरो, कैलाश पटेल, रामअवतार पटेल, लेखराम पंचेश्वर, विश्वनाथ पटेल आदि शामिल थे।

प्रदेश की जनता की चिंता कब कीजिएगा मुख्यमंत्री भूपेश जी- कोमल हुपेंडी

कहा - 3.5 साल बाद भी सिर्फ चिंतन और कुर्सी बचाने के लिए भ्रष्टाचार का खेल बदस्तूर जारी और आप सिर्फ उड़न खटोले से हवा हवाई कर रहे

रायपुर । आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने राज्य सरकार के कार्यो पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रदेश में साढ़े तीन साल की कांग्रेस सरकार से जनता त्रस्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री जी जनता की समस्यायों की चिंता की बजाय, अन्य राज्य में चिंतन शिविर में चिंतन कर रहे हैं। -आदिवासी हर जगह आंदोलनरत, - युवा वर्ग बेरोजगारी से परेशान है। मेडिकल के छात्रों के साथ कॉलेज धोखोधड़ी कर पैसे वसूल कर रहे हैं और मेडिकल के छात्र आत्मदाह को मजबूर हो रहें हैं! - लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को जेल भरो आंदोलन करना पड़ रहा है, आखिर क्यों पत्रकारों की सुरक्षा को प्रदेश सरकार अनदेखा कर रहीं है। -लाखों मनरेगा कर्मचारी सरकार से छुब्ध होकर हड़ताल पर हैं। - वन कर्मचारी और अन्य विभाग के कर्मचारी आंदोलन रत हैं। -संविदा कर्मियों के आंदोलन को लाठी के बल पर दबा दिया जाता है। - बड़ा आंदोलन प्रदर्शन को दबाने आपने धरना स्थल नया रायपुर शिफ्ट करवा दिया। - मेडिकल सुविधाओं में दलालों का बोलबाला है, प्राइवेट हॉस्पिटल जनता को बेतहाशा लूट रहे हैं। - *किसान नकली खाद खरीदने को मजबूर है - प्रदेश की जनता पीने के पानी के लिए भी त्राहि त्राहि है मुख्यमंत्री के खुद के प्रदेश के सर्वे में कांग्रेस के ही 36-40 विधायकों ने क्षेत्र में जनता के लिए जनहित कार्य नहीं कराये गए जिससे जनता नाराज है। मुख्यमंत्री जी हेलीकॉप्टर से अब 90 विधानसभाओं का दौरा करने निकल पड़े और कही राशन कार्ड बनवा रहे तो कही दिखावे के लिए निलंबन कर रहे है.

बीएमएस संगठन द्वारा किया गया नर्स बहनों का सम्मान

बिलासपुर। 12 मई अंतरराष्ट्रीय परिचारिका दिवस(इंटरनेशनल नर्सेज डे) के अवसर पर भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन, बिलासपुर भारतीय मजदूर संघ के द्वारा कोरबा, कुसमुंडा, गेवरा, दीपका क्षेत्र, ढेलवाडीह,बांकी उपक्षेत्र की कंपनी अस्पताल/ डिस्पेंसरी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दीपका में कार्यरत लगभग 125 नर्स एवं उनकी सहायिकाओं बहनों को संगठन के द्वारा अंग वस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं मिष्ठान भेंट कर उनका सम्मान किया गया। आज लगभग 125 नर्स एवं उनकी सहायिका बहनों का भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन, बिलासपुर के द्वारा ÷अंतरराष्ट्रीय परिचारिका दिवस÷ के उपलक्ष्य में अंग वस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मान किया गया ।

दैहिक शोषण के कथित आरोपी को पुलिस ने रायपुर तिल्दा से किया गिरफ्तार

महिला संबंधी अपराध में रामपुर पुलिस ने की त्वरित कार्यवाही

कोरबा. कोरबा जिले में रामपुर क्षेत्र के पुलिस थाना में दिनांक 12.05.2022 को प्रार्थीया ने चौकी उपस्थित आकर कथित आरोपी चिरंजीवी वर्मा साकिन ग्राम जलसो कोसाबाड़ी कोरबा द्वारा जून 2020 से अप्रैल 2022 तक शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाना तथा किसी अन्य लड़की के साथ शादी करने के संबंध में पीडिता द्वारा लिखित आवेदन पत्र पेश किया गया है। जिस पर अपराध कमांक 453/2022 धारा 376 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया प्रकरण महिला संबंधी अपराध होने से वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु चौकी रामपुर के द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए कायमी पश्चात् तत्काल टीम गठित कर प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, के मार्गदर्शन पर आरोपी की पता-तलाश कर उसके सकूनत पर दबिश देकर गिरफ्तार किया जाकर वैधानिक कार्यवाही उपरांत न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशानुसार निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, सउनि गजेन्द्र शर्मा, प्र.आर. 221 विजय कुरे, आरक्षक तौफिक खान, चन्द्रहास कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अनुभव तिवारी
खोखरा जांजगीर
चाम्पा
मोबा..9179696759

सेलफी के नवा जमाना आ गे मचा रहा सोशल प्लेटफार्म पर धूम जांजगीर चाम्पा जिले के खोखरा गांव के युवा कवि अनुभव तिवारी के व्दारा स्वरचित छत्तीसगढी व्यंग रचना की हो रही चारो तरफ चर्चा हास्य पुट से भरे छत्तीसगढी व्यंग से लोग हंस हंस कर हो रहे लोट पोट आप भी पढिए सेलफी के जमाना

सेलफी के जमाना

सेलफी के नवा जमाना आ गे
मनखे ल मुंह बनाना आ गे
घेरी घेरी आँखी ल बटेरत हे
जीभ ल लमा लमा गटेरत हे
जे जघा म जाही सेल्फी मारत हे
नइ हे हांसी तभो मुंह ल फारत हे
खात खात किलिक करत हे
मुंह के जघा कउर अँते झरत हे
बाह रे सेलफी के बीमारी
लेहे बर लगाए हे जमो पारी
मनटोरा कचरा सबे सेलफी मारत हे
छत्तीसगढ ल देख चीन घलौ कापत हे
गांव गंवई म सेलफी के क्रान्ति आए हे
छोकरा ले डोकरा सबे सेलफी म छाए हे
सियान मन गुडी के गोठ ल भूलागे
सेलफी के आघू म बीडी घलौ बुतागे
माखूर मलत घलौ सेलफी खिंचाही
फेसबुक इसटेटस म फोटो जमाही
जनम लेहे ले मरे तक के परकार होगे
सेलफी अब मनखे के संस्कार होगे
अइ बहाना हांसे के बहाना आ गे
सेलफी के नवा जमाना आ गे

माओवादी प्रभावित आवापल्ली का दौरा कर कार्यालयों का किया निरीक्षण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन के बसतर प्रभारी सचिव यशवंत कुमार ने माओवादी प्रभावित बीजापुर जिले के आवापल्ली अंग्रेजी माध्यम स्कूल सहित तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण। उनके साथ अधिकारियों का दल जनसंपर्क विभाग के प्रभारी कमल बघेल भी साथ थे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम जगह-जगह फोर्स नजर आ रही थी। जिला संचालक कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा प्रभारी सचिव जिला बीजापुर यशवंत कुमार ने आज जिले के उसूर ब्लाक मुख्यालय आवापल्ली में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल सहित तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होने इस दौरान पुलिस थाना का भी जायजा लिया। प्रभारी सचिव श्री यशवंत कुमार ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल आवापल्ली के अध्यापन कक्षों, प्रयोगशाला आदि का निरीक्षण कर शिक्षकों की व्यवस्था, शैक्षणिक सत्र 2022-23 के तहत् बच्चों का प्रवेश के बारे में जानकारी ली।

बस्तर की आस्था के केंद्र माता गुडियों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार कर रही है काम

जगदलपुर। विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने ग्राम पंचायत नानगूर मंडई में शामिल हुए एवं भैरम देव की विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ बस्तर के सुख शांति समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी बस्तर की आस्था के केंद्र माता गुडियों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं इस हेतु मांग अनूरूप बस्तर आदिवासी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मद से राशि स्वीकृत की जा रही है आज माता के आशिर्वाद से बस्तर में वामपंथ हिंसा पर काबू पाकर पुनः विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है हमारी सरकार बनने के बाद से आदिम संस्कृति एवं मान्यताओं को संरक्षित करने का कार्य लगातार किया जा रहा है माता के आशिर्वाद से आज बस्तर कोरोनावायरस संक्रमण जैसी महामारी से निजात पाने में सफल हो गया है पिछले दो वर्षों से कोरोनावायरस संक्रमण के कारण मेला मंडई का आयोजन वृहद स्तर पर नहीं हो पाया था पर इस वर्ष यह आयोजन वृहद स्तर पर हो रहा है भैरम देव से कामना है की कोरोना यदि अगले वर्ष तक खत्म हो जाएगा तो इस मेले मंडई को और वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन के साथ जिला पंचायत सदस्य धरमुराम मंडावी जनपद पंचायत सदस्य अनिता पोयाम जनपद सदस्य एवं ब्लाक अध्यक्ष नीलू राम बघेल शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय, सांसद प्रतिनिधि सुशील मौर्य, वरिष्ठ कांग्रेसी राधामोहन दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

निगम कमिश्नर अजय त्रिपाठी ने मेडिकल मोबाइल यूनिट का किया औचक निरीक्षण

बिलासपुर । निगम कमिश्नर अजय त्रिपाठी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि मोबाईल मेडिकल यूनिटों में जांच व इलाज संबंधी सभी सेवाएं बेहतर स्वरूप में हों तथा दवाओं की निरंतर उपलब्धता ऐसे ही बनाएं रखें। मेडिकल टीम को मरीजों से अच्छा व्यवहार करने के साथ ही डाक्टरों को लू के संदर्भ में नागरिकों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए।इसके अलावा मेडिकल कैंप के पास पानी,गर्मी को देखते हुए छायें की व्यवस्था और बैठक व्यवस्था दुरूस्त रखने जोन कमिश्नर को निर्देशित किए। वार्डो में लगने वाले कैम्प निर्धारित समय पर लगे तथा कैम्प से एक दिन पूर्व लोगों को जानकारी दें। कमिश्नर श्री त्रिपाठी ने आज मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजनांतर्गत संचालित मोबाईल मेडिकल यूनिट का औचक निरीक्षण किया तथा उक्ताशय के निर्देश अधिकारियों को दिए।

यहॉ उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजनांतर्गत नगर पालिक निगम बिलासपुर क्षेत्र में 04 मोबाईल मेडिकल यूनिट संचालित हैं, जो निर्धारित कार्यक्रम के तहत विभिन्न वार्ड व बस्तियों में पहुंचकर मेडिकल कैम्प लगाती हैं तथा इन कैम्पों में लोगों की निःशुल्क जांच एवं उनका मुफ्त में इलाज किया जाता है।कमिश्नर अजय त्रिपाठी ने आज अमरैय्या चौक चांटीडीह में संचालित मोबाईल मेडिकल यूनिट कैम्प का औचक निरीक्षण किया एवं वहॉ की व्यवस्थाओं को देखा। यूनिट में स्थापित लैब, डॉक्टर कक्ष, ओ.पी.डी. आदि का निरीक्षण किया, रिकार्ड पंजी का अवलोकन किया तथा जांच व इलाज संबंधी बेहतर सेवाएं नागरिकों को सतत रूप से उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। कैंप में मरीजों से भी कमिश्नर श्री त्रिपाठी ने बातचीत कर कैंप के संदर्भ में फीडबैक लिया।

नर्स डे पर नर्सों के साथ केक काटा गया

निरीक्षण में पहुंचे निगम कमिश्नर अजय त्रिपाठी ने नर्स डे के अवसर पर उपस्थित नर्सों को बधाई दिए तथा शाम को निगम कार्यालय में नर्सों को आमंत्रित कर उनके साथ केक काटकर नर्स डे की बधाई दिए।

नक्सल प्रभावित कुटरू में पहुंचा अधिकारियों का दल

बीजापुर । बीजापुर जिले के इंद्रावती टाईगर रिजर्व के समीप प्रभारी सचिव ने अचानक कुटरू के आदिवासियों एवं वनवासियों के छग शासन द्वारा स्वास्थ्य के लिए जो सुविधाएं मुहैया कराई गई है। उनका लाभ उन्हें मिल रहा है कि नहीं उसको देखने गए थे। वहां पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना एवं अस्पताल का निरीक्षण किया। संचालक कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा प्रभारी सचिव जिला बीजापुर श्री यशवंत कुमार ने जिले के भैरमगढ़ ब्लाक अंतर्गत कुटरु में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया और सभी आवश्यक सुविधाएं क्षेत्र के लोगों को सुलभ कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होने इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के दवाई वितरण कक्ष, बाहय रोगी कक्ष तथा वार्डो का निरीक्षण कर उपचारार्थ भर्ती मरीजों से रुबरु होकर उनके स्वास्थ्य का हाल पूछा। वहीं दवाई की सुलभता, नाश्ता एवं भोजन की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। प्रभारी सचिव श्री यशवंत कुमार को रसोईया रामलाल वेको ने बताया कि आज सुबह नाश्ता में पोहा मरीजों को दिया गया। वहीं दोपहर के भोजन में रोटी, चावल, दाल एवं सब्जी दी गयी है।

संपादकीय

संकट सत्ता का

श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने फिर से आपातकाल लगा दिया। पांच हफ्ते पहले भी देश में आपातकाल लगाया गया था, पर भारी जनविरोध को देखते हुए कुछ ही दिन में इसे हटा भी लिया था। इस बार लगाया गया आपातकाल कब तक जारी रहेगा, कहा नहीं जा सकता। इससे यह साफ हो गया है कि श्रीलंका में हालात बेकाबू हैं। तीन महीने पहले जिस संकट की आहट सुनाई दे रही थी, वह अब चरम पर पहुंच गया लगता है।

चारों तरफ समुद्र से घिरा यह प्रायद्वीप इस वक्त अपने इतिहास के सबसे गंभीर राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे दुर्दिन यहां के लोगों ने शायद ही पहले कभी देखे होंगे। रोजाना के घटनाक्रमों और राजनीतिक उथल-पुथल को देख कर लगता नहीं है कि जल्द ही इस मुल्क की गाड़ी पटरी पर आ पाएगी। मुश्किलें इसलिए भी बढ़ गई हैं क्योंकि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे को लेकर देश की जनता में भारी गुस्सा भर चुका है। विपक्षी दलों से लेकर जनता तक अब राजपक्षे परिवार को सत्ता में और नहीं देखना चाहती। देखा जाए तो श्रीलंका की कंगाली से कहीं ज्यादा बड़ा संकट राजनीतिक अस्थिरता का खड़ा हो गया है। महीने भर पहले राष्ट्रपति ने कैबिनेट भंग कर नए मंत्रिमंडल का गठन कर लिया था। लेकिन गठबंधन से इकतालीस सांसदों के अलग होने के बाद राष्ट्रपति ने संसद में बहुमत भी खो दिया था। तब से अंतरिम सरकार बनाने की बातें चल रही हैं। गोटबाया राजपक्षे ने विपक्षी दलों से अंतरिम सरकार में शामिल होकर देश को आर्थिक संकट से निकालने का प्रस्ताव भी रखा। पर विपक्ष इस पर कैसे सहमत हो सकता है प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे पर इस्तीफे के लिए भारी दबाव है। पर वे टस से मस नहीं हो रहे। उन्होंने विपक्ष के सामने नया पैंतरा यह चल दिया कि वे सरकार छोड़ने को तैयार हैं, बशर्ते अंतरिम सरकार इस बात की गारंटी दे कि वह सत्ता में आते ही देश को आर्थिक संकट से निकाल देगी। श्रीलंका के मौजूदा संकट की जड़ यही है। इसलिए अब बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि श्रीलंका में जिस तरह का राजनीतिक गतिरोध बन गया है, वह कैसे टूटे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को लेकर देश के भीतर जिस तरह का आक्रोश है, वह किसी भी क्षण भयानक हिंसा के रूप में सामने आ जाए तो कोई हैरानी नहीं होगी। छात्रों ने संसद को घेर रखा है। पूरे देश में न केवल लोग, बल्कि सरकारी कर्मचारी तक सरकार के खिलाफ सड़कों पर हैं। देशव्यापी हड़ताल और हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इसी डर से राष्ट्रपति ने आपातकाल का सहारा लिया है।

अगर श्रीलंका में ऐसे हालात कुछ दिन और रह गए तो इसके नतीजे कितने गंभीर होंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। लोगों के पास खाने को नहीं है। जरूरी दवाएं तक नहीं मिल रहीं। स्वास्थ्यकर्मी भी सरकार के खिलाफ आंदोलन में शामिल हो गए हैं। विश्वविद्यालयों के छात्र भी मैदान में उतर आए हैं। देश के पास विदेशी मुद्रा भंडार खत्म हो चला है। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद के लिए गुहार लगा रहा है, पर उसे अभी तक कहीं से कोई ऐसी मदद नहीं मिली है जो उसे इस संकट से निकाल सके है। अगर श्रीलंका में सत्ता का झगड़ा जल्द नहीं सुलझा तो देश को और बुरे दिन देखने पड़ सकते हैं। लेकिन लगता है कि संसद में बहुमत खो देने और लोगों का भरोसा गंवा देने वाला गोटबाया कुनबा अब आपातकाल, सेना और पुलिस के बल पर सत्ता सुख भोगने का रास्ता निकाल चुका है।

जीपीएस सिस्टमः सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की ओर

आजकल जीपीएस निगरानी यंत्र के आगमन के साथ, वास्तविक समय में बस निगरानी की प्रणाली होने से यह फायदा हुआ कि सुरक्षित ड्राइविंग सड़कों पर एक सामान्य मानदंड बन गया है। ऐसा करने के लिए एक जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) नजर रखने वाली प्रणाली को ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जी.एन.एस.एस.) नेटवर्क का उपयोग करना होता है। अन्तरिक्ष में घूम रहे उपग्रह इस नेटवर्क में होते हैं जो निगरानी किए जा रहे वाहन के वर्तमान स्थान, दिशा, समय और गति के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए जीपीएस उपकरणों के साथ सूचना भेजते और ग्रहण करते हैं। जीपीएस निगरानी प्रणाली निजी वाहन या बस में आटोमेटिक लोकेशन के उपयोग को सॉफ्टवेयर के साथ जोड़ता है जो वाहन लोकेशन के एक व्यापक चित्र के लिए इन वाहनों के आंकड़े एकत्र करता है। जीपीएस उपकरणों को बसों में रखा जाता है और ये उपकरण मानचित्र पर अपने वास्तविक समय के स्थान को सूचित करते रहते हैं। बस की जानकारी इंटरनेट या विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मानचित्रों पर देखी जा सकती है।

(डॉ. सुधा कुमारी - प्रज्ञा धारा 7 अन्य, साइंस-टेक्नॉलजी)

इन दिनों बस से यात्रा करते समय, एक स्थानीय व्यक्ति और एक पर्यटक- दोनों आदतन फुर्तीली उंगली से गूगल मानचित्र को छूते हैं, लेकिन यह मानचित्र सही रूप से नहीं दिखाता है कि बस मार्ग कहाँ हैं। विशेष रूप से जब परिवहन द्वारा यात्रा कार्यक्रम का पालन समय पर नहीं किया जाए और वाहनों का स्वास्थ्य और रखरखाव संदिग्ध हो तो बसों पर नज़र रखने या बस निगरानी प्रणाली की आवश्यकता सभी को महसूस होती है। बसों पर नज़र रखने में सक्षम होना स्थानीय व्यक्ति और पर्यटक के लिए एक जीवनरक्षक साधन है। इसके अलावा, गाड़ी चलाने की अनुचित आदतें बसों को नुकसान पहुंचाती हैं और सड़कों को भी असुरक्षित बनाती हैं। आधुनिक तकनीक से संचालित परिवहन प्रणाली को अपनाने का सबसे बड़ा मकसद रहा है- यात्रियों की सुरक्षा की चिंता।

आजकल जीपीएस निगरानी यंत्र के आगमन के साथ, वास्तविक समय में बस निगरानी की प्रणाली होने से यह फायदा हुआ कि सुरक्षित ड्राइविंग सड़कों पर एक सामान्य मानदंड बन गया है। ऐसा करने के लिए एक जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) नजर रखने वाली प्रणाली को ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जी.एन.एस.एस.) नेटवर्क का उपयोग करना होता है। अन्तरिक्ष में घूम रहे उपग्रह इस नेटवर्क में होते हैं जो निगरानी किए जा रहे वाहन के वर्तमान स्थान, दिशा, समय और गति के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए जीपीएस उपकरणों के साथ सूचना भेजते और ग्रहण करते हैं।

जीपीएस निगरानी प्रणाली निजी वाहन या बस में आटोमेटिक लोकेशन के उपयोग को सॉफ्टवेयर के साथ जोड़ता है जो वाहन लोकेशन के एक व्यापक चित्र के लिए इन वाहनों के आंकड़े एकत्र करता है। जीपीएस उपकरणों को बसों में रखा जाता है और ये उपकरण मानचित्र पर अपने वास्तविक समय के स्थान को सूचित करते रहते हैं। बस की जानकारी इंटरनेट या विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मानचित्रों पर देखी जा सकती है। आंकड़े की इस सूचना के आधार पर प्रत्येक स्टॉप के लिए ई.टी.ए. (आगमन का अनुमानित समय) की गणना की जाती है।

मिशिगन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. 'डबलमैप बस ट्रैकर' का उपयोग करता है जो सवारों को बस स्टॉप पर प्रतीक्षा किए बिना शहर के लिए वास्तविक समय में बस के सटीक स्थान को ट्रैक करने की अनुमति देता है। हालाँकि, 'डबलमैप'का उपयोग करने की समीक्षा से पता चलता है कि यह अभी भी सही स्थिति में नहीं है। कुछ देर के लिए वास्तविक समय में बस की गतिविधि मानचित्र से गायब हो जाती है और बस मानचित्र पर नहीं दिखती जो वास्तव में चल रही होती है।

बस ट्रैकिंग के लिए कुछ अन्य ऐप भी हैं।

'सिटीमैपर ऐप' को शुरुआत में लंदन के लिए विकसित किया गया था लेकिन अब यह 37 शहरों में काम करता है। 'ट्रांजिट ऐप' मॉन्ट्रियल, क्यूबेक (कनाडा) में विकसित किया गया था। 'ट्रांजिट ऐप' में उपयोगकर्ता बस की गति और टिकट के मूल्य-विवरण के साथ सभी मार्गों और यात्रा विकल्पों को देखने के लिए एक 'ट्रिप प्लानर' में सिर्फ अपने गंतव्य का नाम लिखता है। 'मूविट' एक वैश्विक मानचित्र ऐप है। 100 देशों में उपयोग होने के रिकॉर्ड को छूते हुए 'मूविट'अब छह महाद्वीपों में 3,100 से अधिक शहरों में 720 मिलियन से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।

1 अप्रैल 2018 को, भारत सरकार ने सभी सार्वजनिक और वाणिज्यिक यात्री वाहकों के लिए एक वाहन निगरानी यंत्र को इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। इस निर्देश का कारण सार्वजनिक परिवहन पर सुरक्षा की जरूरतों का एहसास हो सकता है। इसलिए, बस मालिकों के लिए ए.आई.एस. 140 प्रमाणित बस ट्रैकिंग डिवाइस प्राप्त करना अनिवार्य है। दिल्ली में वाहनों पर नज़र रखने के लिए कई सॉफ्टवेयर हैं। दिल्ली सरकार ने 2014 में राशन के दुरूपयोग के खतरे को रोकने के लिए जीपीएस और आर.एफ.आई.डी. उपकरणों की मदद से सार्वजनिक वितरण की दुकानों में खाद्यान्न ले जाने वाले ट्रकों पर नज़र रखना शुरू कर दिया था।

2018 में, दिल्ली सरकार ने अपने सभी वाहनों और नागरिक निकायों से संबंधित जीपीएस-सक्षम ट्रैकिंग उपकरणों की स्थापना का आदेश दिया। सरकार ने अधिकारियों द्वारा उपयोग की जाने वाली स्टाफ कारों के लिए जीपीएस ट्रैकिंग का विस्तार करने का भी इरादा किया और 2018 मेंएक निर्देश जारी किया जिसमें अधिकारियों को केवल एक आधिकारिक वाहन का उपयोग करने और उनमें जीपीएस-सक्षम ट्रैकिंग डिवाइस स्थापित करने के लिए कहा गया।इसमें राज्य द्वारा संचालित निगम और स्वायत्त संस्थान शामिल हैं। शिकायत मिलने के बाद सरकारी वाहनों के 'दुरुपयोग' को रोकने के लिए ये निर्देश जारी किए गए हैं।

हैदराबाद सरकार ने 2014 में 1500 जे.एन.एन.यू.आर.एम. बसों सहित 3,500 बसों में वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वी.टी.एस.) स्थापित करने का निर्णय लिया। जीपीएस-जीपीआरएस प्रौद्योगिकी आधारित वीटीएस न केवल वाहन की आवाजाही पर नज़र रखेगा, बल्कि दुर्घटना का पता लगाने और रिपोर्टिंग में भी मदद करेगा। वी.टी.एस. प्रौद्योगिकी राजधानी में 102 चरणों में और विभिन्न जिलों में 87 रणनीतिक स्थानों पर स्थापित होने वाली एल.ई.डी. और एल.सी.डी. स्क्रीन पर बसों के आगमन के बारे में यात्रियों को सूचना प्रसारित करेगी। हाल ही में, बिहार सड़क परिवहन निगम द्वारा 'चलो ऐप' पेश किया गया था। यह ऐप यात्रियों द्वारा ऑनलाइन बुकिंग यानि बस की सीटों की ई-टिकटिंग और बस की आवाजाही की स्थिति की निगरानी के लिए है। यात्री वास्तविक समय में बस की वास्तविक स्थिति और बस के अनुमानित आगमन समय का पता लगा सकते हैं। यह ऐप विमान के फ्लाइट ट्रैकर्स के समान है।

इस ट्रैकिंग प्रणाली के लाभों को जोड़ने के लिए, बिहार सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों- मृत और गंभीर रूप से घायलों को अंतरिम मुआवजे के भुगतान को भी अधिसूचित किया। भारत के अन्य स्थानों में, मुआवजा भुगतान प्रक्रिया बहुत जटिल है जिसमें वर्षों लग जाते हैं। अब बिहार ने आखिरकार इस प्रणाली की अधिसूचना जारी कर दी है। अब पीड़ितों को सीधा फायदा हो सकता है। केंद्र सरकार भी ऐसे ही कदम उठाने जा रही है। इससे पहले, कुछ प्रीमियम भुगतान के साथ वाहनों के लिए पसंदीदा नंबर ऑनलाइन बुक किया जा सकता था। दिलचस्प बात यह है कि इस 'चलो' ऐप की योजना 2018 में बिहार कैडर के एक पूर्व आई.ए.एस. श्री सुरेश कुमार सिन्हा द्वारा बनाई गई थी, जिसमें बिहार परिवहन निगम में शामिल होने के बाद उन्होंने प्रासंगिक नियम तैयार किए गए थे और उसके बाद, उनके विचारों के आधार पर इसमें कई विशेषताएं जोड़ी गईं। तमिलनाडु भी 'चलो' ऐप का उपयोग कर रहा है जो निकटतम बस स्टॉप और आनेवाले अगले पांच मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) बसों के बारे में विवरण प्रदान करता है जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से किसी भी चयनित स्टॉप पर पहुंचने के लिए निर्धारित हैं।

मुंबई और बेंगलुरु भी बसों में ट्रैकिंग ऐप लागू करने जा रहे हैं। बैंगलोर मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने 2016 में आई.टी.एस. की शुरुआत की, इसे चलाने और इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन प्रदान करने के लिए निजी फर्म ट्राइमैक्स के साथ अनुबंध किया। इस प्रणाली ने कुशलता से काम नहीं किया हालाँकि इसे बचाने के असफल प्रयास बार-बार किए गए। अंततः अनुबंध 2020 में समाप्त हो गयाजिसके बाद व्यवस्था में सुधार करने का निर्णय लिया गया। अब बसों को ट्रैक करने के लिए बी.एम.टी.सी. ऐप 2022 में लॉन्च होने की संभावना है। दक्षिण और पश्चिम भारत के इन बड़े शहरों में बस ट्रैकिंग में हो रही देरी की एक वजह शायद वहां मौजूद बेहतर और सुरक्षित परिवहन स्थिति है।

जीपीएस निगरानी यंत्र गाड़ी में कहीं भी लगाया जा सकता है जैसे- आगे या पीछे के बम्पर में, पहिये की धुरी के पास, सीट या मैट के नीचे, अगली सीट के सामने जॉकी बॉक्स में या फिर डैशबोर्ड में। मगर सामान्यतया यह डैशबोर्ड में ही लगाया जाता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि आपकी गाड़ी में ऐसा यंत्र लगा है या नहीं, तो तेज़ रौशनी में अपनी गाड़ी के नीचे के हिस्से को जांचें। पहिये के खोल के अन्दर या नीचे- यह किसी धातु के तार से जोड़ा गया होगा या वेल्क्रो टेप से जुड़ा होगा।

जीपीएस से वाहनों को ट्रैक करना आजकल सामान्य-सी बात हो गयी है। हां, कुछ लोग जीपीएस जैमर या निगरानी अवरोधक अवरोधक का भी इस्तेमाल करते हैं और ये अच्छी तरह काम करते हैं। जीपीएस जैमर एक सफेद शोर जैसा रेडियो सिग्नल पैदा करते हैं जो जीपीएस उपग्रहों के समान आवृत्ति पर प्रसारित होता है।यह जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस और नेविगेशन सिस्टम के संकेतों को अवरुद्ध कर सकता है। इसके अलावा, इन अवरोधकों की क्षमता होती है और आधुनिक ट्रैकर्स द्वारा एंटी-जैम तकनीक के साथ इन अवरोधकों का भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। हालांकि अपने शत्रुओं से बचने के लिए जीपीएस सिग्नल को अवरुद्ध कर पाना तो बहुत अच्छा है लेकिन कानूनी कारणों से सरकारी वाहनों में रखे गए जीपीएस ट्रैकिंग उपकरणों को अवरुद्ध करना या उनसे छेड़छाड़ करना वास्तव में अवैध है। अतः सार्वजनिक वाहनों में बैठते समय याद रखें कि यदि इनमे निगरानी यंत्र लगा भी है तो ये आपकी निगरानी हेतु नहीं, उस वाहन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लगाया गया है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

बहन तू बड़ी लकी है, तेरे पति तेरी हेल्प भी करते हैं और फीडम भी दी है

(नमिता जोशी)

देखो मैं कितनी लकी हूं। एनिवर्सरी के दिन पति ने ब्रेकफास्ट बनाया मेरे लिए स्पेशल। हां यार, तुम तो बहुत लकी हो। वो सैंडविच भी बना लेता है और चाय भी और तुम्हारे साथ सेल्फी लेने को भी खुशी खुशी राजी हो जाता है। अरे वो फलानी भी लकी है उसका पति कई बार कुकिंग करता है संडे को और गुस्सेबाज भी नहीं है।

जानते हैं मुंबई की लोकल ट्रेन में शाम को लेडीज कोच का आम नजारा क्या होता है मिलों में काम करके लोकल ट्रेन से अपने दूर दराज के घरों को लौट रही महिलाएं शाम को सब्जी खरीदते हुए ट्रेन में चढ़ती हैं और ट्रेन में बैठे बैठे एक घंटे का 'सदुपयोग' करते हुए वे उस सब्जी को काट भी लेती हैं ताकि घर जाकर बस उस कटी हुई सब्जी को धोकर सीधे चूल्हे पर चढ़ाकर फटाफट खाना तैयार कर लें। क्योंकि उन्हे मालूम है कि घर पहुंचकर रात के खाने का इंतजाम करने का फर्ज उसका ही है, पति का नहीं। उसे यही सिखाया गया है। जी हां, काम से घर लौटती हुई एक महिला घर लौट कर भी काम ही करती है। कितने ही घर होंगे जहां काम से लौटकर उनके हाथ में कोई पानी या चाय का कप पकड़ा दे कि लो आराम से बैठकर पियो और दिन भर की थकान उतारो। काम से लौटकर फिर काम पर लगने का ये ट्रेंड हर तबके की वर्किंग महिलाओं के घरों में होता है। हाउस वाइव्स की तो हम क्या ही बात करें। उन्हें तो हम यही कहते हुए अक्सर सुनते हैं कि घर का काम नहीं करूंगी तो मैं घर में बैठी और करूंगी क्या ऑफिस जाने वाली महिला से कहीं ज्यादा गिल्ट में घरेलू महिलाएं जीती हैं और पति के घर के काम में हाथ बंटाने की बात तो वे सपने में भी नहीं सोच पातीं।

महिला चाहे ऑफिस जाए या ना जाए, घर का काम, बच्चों के अच्छे नंबरों से पास होने की प्रमुख जिम्मेदारी महिलाओं की ही मानी गई है पैट्रियार्की में। क्या कभी पुरुषों को देखा है ऐसी बीवी पाकर खुद के धन्य होने का ढिंढोरा पीटते कितने पुरुषों को देखा है अपने वॉट्सऐप स्टेटस पर चाय की फोटो इस कैप्शन के साथ डालते हुए कि पत्नी के हाथ की सुबह की चाय। वाह मैं कितना लकी हूं। क्योंकि पत्नी ही शादी के अगले दिन से चाय बनाती आई है तो अचानक उस मॉर्निंग टी को स्पेशल कहकर सोशल मीडिया में शो ऑफ भला क्यों करेगा कोई कभी कभार त्योहार में स्पेशल खाने की फोटो डालते हुए कुछ विरले दिखते हैं, लेकिन उन महिलाओं की तरह नहीं, जो घर के बेसिक काम करने वाले पति की तारीफों के पुल अपने सोशल मीडिया में करके खुद को 'लकी' मानने लगती हैं।

इस सोच के साथ बड़े हुए हम लोगों की बोलचाल की भाषा में ऐसे शब्द ऐसे घुलमिल गए हैं जैसे चाय में चीनी। अगर पुरुष घर में कभी कभार बच्चों के साथ उस वक्त खेल लेते हैं जब उनकी बीवी किचन में खाना बना रही है, तो इस काम को वे अपनी बीवी की 'हेल्प' करने का नाम देते हैं। ऐसे टॉपिक पर बात छिड़ जाए तो वे अक्सर बड़े गर्व से कह उठते हैं, हम तो अपनी वाइफ की 'हेल्प' करते हैं। हेल्प' सीरियसली घर गृहस्थी में मिल जुलकर काम करने को हेल्प' कैसे कहा आपने क्या वह घर आपका नहीं, बच्चे आपके नहीं महिलाएं भी पूरी शान से कहती हैं, हां मेरे पति मेरी 'हेल्प' करते हैं काम में। मतलब जन्म कुंडली में लिखवा कर तो मैं लाई हूं सारे काम, इसलिए पति जब कुछ करने लगते हैं तो वह मेरी 'हेल्प' ही हुई ना। ऐसे 'हेल्प' करने वाले पतियों की बीवियों से एक और वाक्य अक्सर सुनने को मिल जाता है कि मेरे पति मुझे पूरी 'फ्रीडम देते' हैं कि मैं जो चाहे करूं। जॉब करूं या पढ़ाई पूरी कर लूं या कोई कोर्स कर लूं, मुझे पूरी 'फ्रीडम' देते हैं। पति भी सीना चौड़ा करके कहते सुने जाते हैं, हमने तो पूरी 'फ्रीडम' दी हुई है जी, स्कूटी चलाओ, बाइक चलाओ। मतलब पति न हो गए, अंग्रेजों की रियासत के वायसराय हो गए, जो फ्रीडम दी है।

तो ये सब नॉर्मल कैसे होगा कभी सोचा है बड़ा आसान है। ये 'लकी', 'हेल्प' और 'फ्रीडम' देने जैसे शब्दों को भूलने की जरूरत है। साल में एक बार एक सैंडविच बना देना, कभी कभी चाय बना देना पुरुषों को इतने बड़े सिंहासन पर बिठा देता है कि हम एक साधारण व्यवहार करने वाले पुरुष की पत्नी को लकी होने का तमगा दे देते हैं। हां ये सही बात है कि पैट्रियार्की में ऐसे पुरुष विरले ही होते हैं जो ऐसा करते हैं इसलिए शायद उनकी बीवियों को 'लकी' कहा जाता है लेकिन इनके काम को सराहना बंद जब हम करेंगे तभी ये सब नॉर्मल होगा। घर के काम करना, अपने ही बच्चों को स्कूल बस तक छोड़ कर आना, दूसरे शख्स पर अहसान या 'हेल्प' नहीं है। और अगर बीवी पढ़ना या नौकरी करना, स्कूटी चलाना चाहती है तो ये समझिए कि ये उसका हक है, उसे 'फ्रीडम देना' बोलकर आप अपना मजाक मत उड़वाइए। अगर वह ऐसा कर पा रही है तो आप खुश होइए, गर्व कीजिए, बिना अपनी तारीफ करवाए। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

श्रीलंका में आम लोगों के साथ खड़ा भारत

खास बात यह है कि पहले श्रीलंका में जो प्रदर्शन चल रहे थे, उनमें केवल आम लोग शामिल हो रहे थे, लेकिन अब श्रमिक संगठन भी इसमें उतर आए हैं। प्रदर्शन की बागडोर विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के हाथों में जाने लगी है। यह बदलाव श्रीलंका में बड़ी अस्थिरता का कारण बन सकता है। मिसाल के लिए, दो दिन पहले श्रीलंका मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार से अपील की है कि कृपया, आप वैसा ही कीजिए, जैसा लोग चाहते हैं। हिंसा नहीं होनी चाहिए, वरना देश में अस्थिरता बढ़ जाएगी। स्वाभाविक है कि प्रदर्शनों में अगर हिंसा होगी, तो श्रीलंका की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ेगा। अब भी श्रीलंका की चिकित्सा व्यवस्था बहुत दबाव में है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर पांच करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। श्रीलंका अभी इस स्थिति में नहीं है कि चिकित्सा उपकरणों, दवाओं का आयात कर सके।

(स्मृति पटनायक, रिसर्च फेलो, आईडीएसए)

अफसोस, श्रीलंका में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक तरह से खूनी संघर्ष-सा छिड़ गया है। वहां दो दिन पहले आपातकाल लगाना पड़ा है। वैसे तो आपातकाल पहले भी लागू हुआ था, लेकिन वह कुछ समय के लिए था, अब जो आपातकाल लगा है, वह अनिश्चितकाल के लिए है। पहले जो आपातकाल लगा था कि उसकी पालना कड़ाई से नहीं हुई थी, जबकि अब आपातकाल का असर सड़कों पर भी दिखने लगा है। सरकार का कहना है कि लोगों की सुरक्षा और देश में शांति के लिए आपातकाल लगाया गया है, जबकि असल में आपातकाल इसलिए लगाया गया है, ताकि लोग सड़कों पर आकर प्रदर्शन न कर सकें। हमारे इस पड़ोसी देश में गुस्सा इस कदर है कि सरकार के विरोधी पाबंदियों को मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति बार-बार शांति बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को सीधे गोली मार देने के आदेश दे दिए गए हैं।

ध्यान रहे, हिंसा तब और तेज हो गई, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मिलकर लौटे उनकी पार्टी के लोगों ने बाहर आकर विरोधी प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट शुरू की दी। सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष के बीच हिंसा बढ़ गई। दोनों पक्ष से यह बयानबाजी भी हुई है कि ऐसा नहीं होना चाहिए, लेकिन ये बयान दिखाने के लिए हैं। प्रधानमंत्री का जो इस्तीफा हुआ है, वह भी लोगों के गुस्से को शांत करने के लिए हुआ है। मंत्रिमंडल को भी इस्तीफा देना पड़ा है। राजपक्षे परिवार के अनेक लोग मंत्रिमंडल में थे, उन सभी का इस्तीफा हुआ है। कुछ रिश्तेदारों के विदेश चले जाने की भी खबर आई है। श्रीलंकाई राजनीति के दिग्गज नेता महिंदा राजपक्षे का बेशक प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा हो गया है, लेकिन उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति के रूप में पदासीन हैं। श्रीलंका में पैदा संकट की वजह से वह बहुत हद तक अपनी लोकप्रियता गंवा चुके हैं। राजपक्षे परिवार के सत्ताधारी सदस्य पहले अड़े हुए थे, पर अब उनके इस्तीफे वास्तव में गुस्से को कम करने की दिशा में मामूली प्रयास भर हैं। यहां यह जरूर कहना चाहिए कि ताजा हिंसा अगर नहीं होती, तो ये इस्तीफे भी नहीं होते। कुछ नेताओं और लोगों की मौत हुई है। अब कोशिश तो यही होनी चाहिए कि वहां और हिंसा न हो। देश कोई भी हो, अगर किसी विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ सत्ताधारी नेता उग्रता दिखाते हैं, तो हिंसा होती ही है।

खास बात यह है कि पहले श्रीलंका में जो प्रदर्शन चल रहे थे, उनमें केवल आम लोग शामिल हो रहे थे, लेकिन अब श्रमिक संगठन भी इसमें उतर आए हैं। प्रदर्शन की बागडोर विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के हाथों में जाने लगी है। यह बदलाव श्रीलंका में बड़ी अस्थिरता का कारण बन सकता है। मिसाल के लिए, दो दिन पहले श्रीलंका मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार से अपील की है कि कृपया, आप वैसा ही कीजिए, जैसा लोग चाहते हैं। हिंसा नहीं होनी चाहिए, वरना देश में अस्थिरता बढ़ जाएगी। स्वाभाविक है कि प्रदर्शनों में अगर हिंसा होगी, तो श्रीलंका की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ेगा। अब भी श्रीलंका की चिकित्सा व्यवस्था बहुत दबाव में है।

श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर पांच करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। श्रीलंका अभी इस स्थिति में नहीं है कि चिकित्सा उपकरणों, दवाओं का आयात ज्यादा जरूरी है। इसलिए चिकित्सा संगठन ने गुहार लगाई है कि हिंसा की तरफ न जाएं, ज्यादा हिंसा होगी, तो संभालना मुश्किल हो जाएगा। अभी भी जो हिंसा हो रही है, उनमें दर्जनों लोग घायल हो रहे हैं और अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। सरकार भी यही चाहती है कि हिंसा न हो, इसीलिए आपातकाल की घोषणा की गई है। इसके जरिये कोशिश यही है कि देश में अनिवार्य सेवाओं पर असर न पड़े, सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त न हो। सरकार का नियंत्रण बना रहे।

वहां राष्ट्रीय सरकार, मतलब सभी पार्टियों की मिली-जुली सरकार बनाने की चर्चा चल रही है, लेकिन यह कैसे होगा इसके लिए विपक्षी दल तैयार नहीं हैं। वे अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं, लेकिन अब इसकी जरूरत इसलिए भी नहीं रह गई है, क्योंकि महिंदा राजपक्षे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका में वैसे भी राष्ट्रपति व्यवस्था है। वहां राष्ट्रपति को हटाना कतई आसान नहीं है।

एक पहलू यह भी है कि श्रीलंका में बौद्ध धर्मगुरुओं का बहुत प्रभाव है, लेकिन वे अभी बंटे हुए हैं। वे भी हिंसा नहीं चाहते, क्योंकि उनकी पूरी तरह से समाज पर निर्भरता है। लोगों की मांग अब बिल्कुल स्पष्ट है कि राजपक्षे परिवार पूरी तरह से सत्ता से हटे। राष्ट्रीय सरकार बने। कुछ लोगों का कहना है कि नई सरकार कुछ समय के लिए बनाई जाए, तो कुछ लोग कह रहे हैं कि इसको बनाने से पहले राष्ट्रपति की शक्तियां घटाई जाएं। अभी संविधान के अनुसार, वहां राष्ट्रपति बहुत मजबूत हैसियत में हैं। एम सिरिसेना की सरकार के समय में श्रीलंका की संसद को मजबूत किया गया था, लेकिन गोटबाया जब राष्ट्रपति बने, तब संविधान में बदलाव कर फिर राष्ट्रपति को ज्यादा शक्तियां दे दी गईं।

बहरहाल, भारत अपनी ओर से श्रीलंका की पूरी मदद कर रहा है। मानवीय किस्म की मदद है, लगभग दो अरब डॉलर की। इसमें दवाएं और खाद्य पदार्थ और ईंधन भी शामिल हैं। भारत वहां के लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहा है। वहां खाने-पीने के सामान नहीं हैं। ईंधन की कमी है। इसके लिए मदद जरूरी है। अभी एक सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि वहां की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई है, तो भारत को मदद क्यों करनी चाहिए लेकिन भारत वास्तव में श्रीलंका के लोगों की मदद कर रहा है।

जरूरत के समय हमें सबसे पहले प्रतिक्रिया करनी ही चाहिए। हमारी कोशिश रहनी चाहिए कि दूसरों के वहां पहुंचने से पहले हम वहां पहुंचें, क्योंकि हम श्रीलंका के ज्यादा करीब हैं। वैसे भी 'पड़ोसी पहले' की हमारी नीति है। भारत पहले भी श्रीलंका की मदद करता रहा है और आज भी संकट के समय उसके साथ खड़ा है। चीन ऐसे समय में श्रीलंका की मदद कर सकता है और उसने चर्चा की भी है। लेकिन अभी हम मदद करने में सबसे आगे हैं और हमें होना भी चाहिए। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सूर्य संक्रांति, सूर्य का गोचर, बड़ा राशि परिवर्तन इन खास राशियों के आ रहे हैं अच्छे दिन

सूर्य ग्रह राशि परिवर्तन करने जा रहा है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार सूर्य के राशि परिवर्तन करने से 6 राशियों के अच्छे दिन शुरू हो जाएंगे। सूर्य 15 मई 2022 रविवार के दिन मेष से निकलकर वृषभ में गोचर करेगा। आओ जानते हैं सूर्य ग्रह को शुभ करने के उपाय।

- मेष राशि : सूर्य आपकी राशि के दूसरे भाव में गोचर करेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सूर्य का यह गोचर आपके लिए अनुकूल सिद्ध हो सकता है। हालांकि आपका कार्य स्थल और घर परिवार में वाद विवाद से बचकर रहना होगा। करियर में सफलता मिलेगी। नई संपत्ति बनाने में सफलता हासिल कर पाएंगे।
- वृषभ राशि : सूर्य आपकी राशि के लग्न भाव यानी प्रथम भाव में गोचर करेगा। इस दौरान नौकरी में तरक्की होगी। व्यापार में मेहनत का फल मिलेगा। करियर में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।
- कर्क राशि : सूर्य आपकी राशि के 11वें भाव में गोचर करेगा। इस गौचर के कारण आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। वैवाहिक जीवन सुखमय गुजरेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। व्यापार में निवेश से लाभ मिलेगा। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।
- सिंह राशि: सूर्य आपकी राशि के 10वें भाव में गोचर करेगा। कार्य स्थल पर आपके मान-सम्मान और लोकप्रियता में बढ़ोतरी होगी। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। करियर में सफलता मिलेगी। यात्रा के भी योग हैं।
- कन्या राशि: सूर्य आपकी राशि के नौवें भाव में गोचर करेगा। इस नौरान आपको भाग्य का सात मिलेगा। नौकरीपेशा हैं तो तमाम तरह के लाभ मिलने की संभावना है। व्यापारी हैं तो मुनाफा प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। घर परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।
- मीन राशि : सूर्य आपकी राशि के तीसरे भाव में गोचर करेगा। इस दौरान आपके अटके कार्य पूर्ण होंगे। विवाद सुलझेंगे। नौकरी में अच्छे अवसर प्राप्ति होंगे। स्थानांतरण के योग भी हैं। व्यवसाय में यह समय मिलेजुले फल वाला रहेगा।

सूर्य के उपाय:

- गुड़ खाकर जल पीकर ही कोई कार्य प्रारंभ करें।
- प्रातःकाल सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करें।
- पिता का सम्मान करें। उन्हें किसी भी तरह से परेशान न करें।
- आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। नित्य भगवान विष्णु की उपासना करें और एकादशी का व्रत रखें।
- बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं।
- तांबा के लौटे में भी पानी पीएं।
- गायत्री मंत्र का जाप करें और सूर्य यंत्र की स्थापना करें।
- सूर्य के गोचर के समय जल में खसखस या लाल फूल या केसर डालकर स्नान करना शुभ रहता है।
- ओम रं रवये नमः या ओम घृणी सूर्याय नमः 108 बार (1 माला) जाप करें।
- देर से सोकर उठना छोड़ दें। सुबह की धूप लें।

वैशाख मास में किसी मंदिर में रखें जल भरी छोटी सी मटकी

वैशाख माह चल रहा है 16 मई 2022 को वैशाख पूर्णिमा के दिन यह माह समाप्त हो जाएगा। इस माह में दान-पुण्य करने का बहुत महत्व है। भविष्य पुराण, आदित्य पुराण में वैशाखी पूर्णिमा को अत्यंत पवित्र एवं फलदायी माना गया है। यदि पूरे माह कुछ नहीं कर पाएं हैं तो अब जल से भरी एक छोटी मटकी मंदिर में रख दें।

- वैशाख पूर्णिमा के दिन धर्मराज के निमित्त जल से भरा हुआ कलश, पकवान एवं मिष्ठान दान करना, गौदान के समान फल देने वाले बताए गए हैं।
- वैशाख महीने में गर्मी बहुत बढ़ जाती है। इसलिए इस महीने में खासतौर से शिवालयों में जल दान का विधान है। यही वजह है कि शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के ऊपर जलधारा के लिए पानी से भरी मटकी में छेद कर कुशा लगाई जाती है जिससे लगातार शिवलिंग पर जल टपकता रहे।
- स्कंद पुराण में भी बताया गया है कि वैशाख महीने में जल का दान करना चाहिए, पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए और शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए। मौसम के मुताबिक ऐसा करने से कई गुना पुण्य मिलता है।
- जल से भरा मिट्टी का घड़ा मंदिर में दान करें। साथ ही कुल्हड़, सकोरे भी दान करें। इससे आपके जीवन के सभी संकट मिटकर सुख, समृद्धि और धन की प्राप्ति होगी।

बुद्ध पूर्णिमा कब है, शुभ समय, पूजा के तरीके और उपाय

सिद्धार्थ गौतम यानी भगवान गौतम बुद्ध का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है। प्रतिवर्ष वैशाख मास में आने वाली पूर्णिमा को ही बुद्ध पूर्णिमा और वैशाख पूर्णिमा कहते हैं। वर्ष 2022 में बुद्ध पूर्णिमा16 मई को मनाई जा रही है। यह दिन गौतम बुद्ध की जयंती और उनका निर्वाण दिवस भी है। इसी दिन भगवान बुद्ध को बुद्धत्व की प्राप्ति हुई थी। हजारों साल बाद आज भी सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, शांति और मैत्री जैसे मानवीय मूल्यों पर आधारित गौतम बुद्ध हम सभी के दिलों में बसे हुए हैं। जानते हैं बुद्ध पूर्णिमा पर पूजन का शुभ समय, पूजन के तरीके और आसान उपाय.

बुद्ध पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त

इस वर्ष वैशाख पूर्णिमा तिथि-
सोमवार, 16 मई
वैशाख पूर्णिमा तिथि का आरंभ रविवार, 15 मई 2022, रात 1245 मिनट से शुरू
वैशाख पूर्णिमा की समाप्ति-
सोमवार, 16 मई 2022 को रात 945 मिनट पर।
उदया तिथि के अनुसार वैशाख पूर्णिमा व्रत सोमवार, 16 मई को रखा जाएगा।

पूजन के तरीके

- बुद्ध पूर्णिमा के दिन बौद्ध धर्मग्रंथों का पाठ करें।
- बुद्ध जयंती अथवा वैशाख पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल नदी स्नान करना चाहिए।
- नदी स्नान करने के बाद हाथ में तिल रखकर पितृ तर्पण करके पितरों को तृप्त करें तथा उनका आशीर्वाद लें।
- यदि नदी स्नान संभव न हो तो एक बाल्टी जल में गंगा जल मिलाकर स्नान करें।
- फिर स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत रखने का संकल्प लें।
- अब भगवान श्री विष्णु की विधि-विधान से पूजन करें।
- भगवान विष्णु के सामने घी से भरा पात्र, तिल और शकर रखें।
- दीपक जलाते समय उसमें तिल का तेल डालकर दीया जलाएं।
- आरती करें।
- आज के दिन बोधिवृक्ष की शाखाओं में दूध व सुगंधित जल डालकर दीया जलाएं।
- पिंजरे में कैद पक्षियों को मुक्त कर आकाश में छोड़ दें।
- बौद्ध स्थलों पर जाकर प्रार्थना करें।
- रात्रि के समय पुष्प, धूप, दीप, खीर आदि से चंद्रमा का पूजन करें।
- अपने सामर्थ्य के अनुसार गरीबों को दान सामग्री वितरित करें।

बुद्ध पूर्णिमा के उपाय

- वैशाख मास में बुद्ध पूर्णिमा मनाई जाती है। अतः इस दिन शुभ मुहूर्त में नदी स्नान करने से कई जन्मों के पाप नाश को प्राप्त होते हैं।
- गौतम बुद्ध पशु हिंसा के विरोधी थे, अतः इस दिन मांसाहार न खाएं और ना खाने दें।
- वैशाख पूर्णिमा के दिन गरीबों को वस्त्र और भोजन दान में देने से गोदान के समान फल मिलता है।
- इस दिन तिल एवं शहद का दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है।
- बुद्ध भगवान विष्णु के नौवें अवतार माने जाते हैं, अतः इस दिन श्रीविष्णु की पूजा-अर्चना करने तथा दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है।
- पुण्य प्राप्ति के लिए बुद्ध पूर्णिमा के दिन सत्तू, मिष्ठान्न, जल पात्र, अन्न, भोजन और वस्त्र दान करें।
- पवित्र तीर्थस्थलों पर जाकर नदी स्नान करें तथा हथेली में जल लेकर उसके काले तिल डालकर पितरों के निमित्त तर्पण करें।

बुद्ध पूर्णिमा के दिन चंद्र देव देंगे वरदान

वैशाख पूर्णिमा के दिन गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था इसीलिए इसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं। बुद्ध भगवान विष्णु के नौवें अवतार माने जाते हैं, अतः इस दिन श्रीविष्णु की पूजा-अर्चना करने तथा दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

वैशाख पूर्णिमा के कार्य

- इस दिन शुभ मुहूर्त में नदी स्नान करने से कई जन्मों के पापों का नाश हो जाता है।
- गरीबों को वस्त्र और भोजन दान में देने से गोदान के समान फल मिलता है।
- इस दिन तिल एवं शहद का दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है।
- पवित्र तीर्थस्थलों पर जाकर नदी स्नान करें तथा हथेली में जल लेकर उसमें काले तिल मिलाकर पितरों के निमित्त तर्पण करें।
- चंद्र ग्रह को अर्घ्य अर्पित करें और यह मंत्र जपें- ओम सों सोमाय नमः या ओम श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः मंत्र का 3, 5 या 11 माला जप करें।
- पूर्णिमा और सोमवार के शुभ संयोग पर सफेद कपड़े पहनें और बिना नमक के दही, दूध, चावल, चीनी और घी से बने खाद्य पदार्थ का सेवन करें।
- शिवजी को जल चढ़ाएं और उनकी पूजा करें।
- मोती या मोती का उपरत्न चंद्रकांत मणि को पहन सकते हैं।
- साबूदाने या चावल की बनी खीर को गरीबों में बांटें और मंदिर में दान करें। पुण्य प्राप्ति के लिए बुद्ध पूर्णिमा के दिन सत्तू, मिष्ठान्न, जल पात्र, अन्न, भोजन और वस्त्र दान करें।
- चंद्रमा का स्मरण करते हुए चांदी की प्लेट में सूखे छुहारे तथा कुछ मखाने रखकर शुद्ध घी के दीपक के साथ धूप एवं अगरबत्ती अर्पित करें। अब चंद्रमा को दूध से अर्घ्य प्रदान करें। अर्घ्य के बाद कोई सफेद प्रसाद तथा केसर मिश्रित साबूदाने की खीर अर्पित करें। चंद्रमा से आर्थिक संकट दूर कर समृद्धि प्रदान करने का निवेदन करें। बाद में प्रसाद और मखानों को बच्चों में बांट दें।

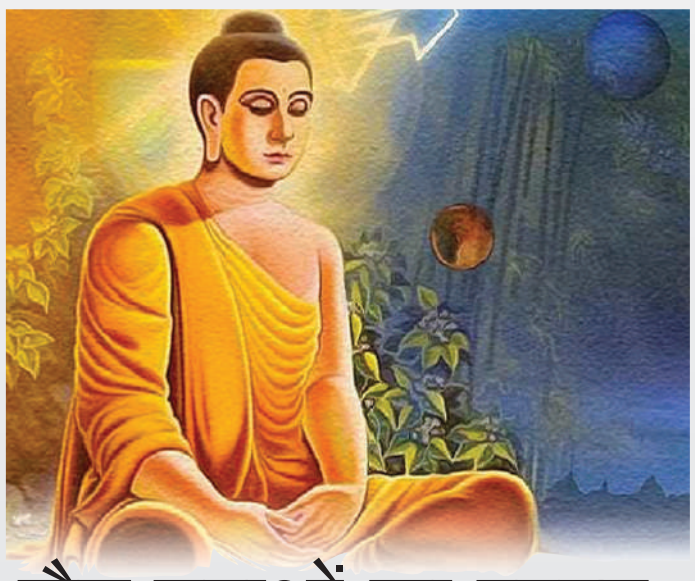

बौद्ध मुद्राओं का रहस्य

गतिमान धर्मचक्र की मुद्रा

दाहिने हाथ का अँगूठा और तर्जनी अँगुली बुद्धि और जुड़ने की कला को इंगित करती हैं। बाकी की तीन खड़ी हुई अँगुलियाँ बौद्ध शिक्षा का प्रतीक है। बाएँ हाथ की मुद्रा मनुष्य की मिश्रित क्षमताओं को इंगित करती है, जिस पर कि वह ज्ञान के पथ और जुड़ने की ओर बढ़ता है।

ध्यान की मुद्रा

मानव तंत्रिका प्रणाली जो कि मस्तिष्क के उस भाग से जुड़ी होती है जो परमानंद का कारक होता है, इसकी तंत्रिकाएँ हाथ के अँगूठों से होकर गुजरती हैं। इसे बौद्ध धर्म में बोधिचित्त कहा जाता है। इस मुद्रा में दोनों हाथों के अँगूठों का परस्पर जोड़ या मिलन बोधिचित्त के भविष्य में विकास की ओर इंगित करता है।

सर्वोच्च प्राप्ति की मुद्रा

दाहिने हाथ की मुद्रा सवोच्च प्राप्ति को इंगित करती है और बाएँ हाथ की मुद्रा ध्यान-चिंतन को दर्शाती है। ये दोनों मिलकर बुद्ध की सर्वोच्च शक्ति की ओर इंगित करते हैं। बुद्ध ध्यान में इस मुद्रा में बैठते थे।

भूमि पर दबाव देने की मुद्रा

दाहिने हाथ की मुद्रा भूमि पर दबाव देने की तथा बाएँ हाथ की मुद्रा ध्यान करने की होती है। ये दोनों मिलकर बुद्ध द्वारा सभी गतिरोधों पर पाई विजय को इंगित करती हैं। भूमि को छूने की मुद्रा बुद्ध के उस विजय का चिह्न है जब उन्होंने राक्षस मारा पर विजय पाई थी।
ध्यानावस्था में गतिशील धर्मचक्र की मुद्रा दाहिने हाथ की मुद्रा घूमते हुए धर्मचक्र और बाएँ हाथ की मुद्रा ध्यान-चिंतन को दर्शाती है। दोनों साथ मिलकर ध्यान के दौरान बौद्ध धर्म के शिक्षण की ओर इंगित करते हैं।

ध्यानावस्था में गतिशील धर्मचक्र की मुद्रा

दाहिने हाथ की मुद्रा घूमते हुए धर्मचक्र और बाएँ हाथ की मुद्रा ध्यान-चिंतन को दर्शाती है। दोनों साथ मिलकर ध्यान के दौरान बौद्ध धर्म के शिक्षण की ओर इंगित करते हैं।

आम्रपाली ने जब किया गौतम बुद्ध का स्वागत और भिक्षु पर हो गई मोहित

वैशाख पूर्णिमा के दिन गौतम बुद्ध का जन्म हुआ। उन्होंने चार आर्य सत्य, आष्टांगिक मार्ग का मध्यम मार्ग बताया। उनके साथ एक साथ 10 हजार से हजार भिक्षु विहार करते थे। उन्होंने महिलाओं को तब तक अपना शिष्य नहीं बनाया जब तक कि उनके समक्ष यह बात प्रस्तुत नहीं हुए। कहते हैं कि आम्रपाली ने महिलाओं के भिक्षुणी बनने के मार्ग को खोलने में सहयोग किया।

आम के वृक्ष के नीचे मिली आम्रपाली

बिहार में एक जिला है जिसका नाम वैशाली है। यहां की नगरवधू आम्रपाली और यहां के राजाओं के किस्से इतिहास में भरे पड़े हैं। कहते हैं कि एक गरीब दंपति को एक अबोध मासूम लड़की आम के पेड़ के नीचे मिली। पता नहीं कौन थे उसके माता-पिता और क्यों उसे आम के वृक्ष ने नीचे छोड़कर चले गए। आम के नीचे मिलने के कारण उसका नाम आम्रपाली रखा गया।

सुंदरता की चर्चा पूरे नगर में जब फैल गई

आम्रपाली जब किशोरावस्था में पहुंची तो उसके रूप और सौंदर्य की चर्चा नगर में फैल गई। नगर का हर पुरुष उससे विवाह करने के लिए लालायित हो उठा। राजा से लेकर व्यापारी हर कोई आम्रपाली को पाना चाहता था। उसके माता पिता के समक्ष अब दुविधा और भय उत्पन्न हो चला था। अगर आम्रपाली किसी एक को चुनती तो राज्य में अशांति फैल जाती।

इस तरह बनीं नगरवधू

जब वैशाली के राज प्रशासन को यह पता चला तो उन्होंने नगर में शांति स्थापित करने के लिए आम्रपाली को क्रमानुसार अंत में नगरवधू बना दिया। आम्रपाली को जनपथ कल्याणी की उपाधि 7 साल के लिए दी गई। इसे साम्राज्य की सबसे खूबसूरत और प्रतिभाशाली महिला को दिया जाता था।

खुद के महल और दासियों से घिरी रहती थीं आम्रपाली

नगरवधू बनते और जनपथ कल्याणी की उपाधि मिलते ही उसे एक आलीशाल महल और उसकी देखरेख करने के लिए नौकर एवं दासियां मिली। आम्रपाली को संपूर्ण स्वतंत्रता थी। उसे लोगों से शारीरिक संबंध बनाने के लिए चयन का अधिकार भी मिला। इसके साथ ही वह दरबार की नर्तकी भी बन गई।

दूर देशों तक थी उसके रूप की चर्चा

आम्रपाली के रूप की चर्चा जगत प्रसिद्ध थी और उस समय उसकी एक झलक पाने के लिए सुदूर देशों के अनेक राजकुमार उसके महल के चारों ओर अपनी छावनी डाले रहते थे। उसके महल के आसपास निरंतर गतिविधियां चलती रहती थी। उसकी सुरक्षा में कई सैनिक तैनात रहते थे। कहते हैं कि मगथ के राजा बिम्बिसार ने आम्रपाली को पाने के लिए वैशाली पर आक्रमण कर दिया था। आम्रपाली बिंबिसार के बच्चे की मां बनी। यह भी कहा जाता है कि बाद में बिंबिसार का पुत्र भी आम्रपाली के मोह में पड़ गया था।

एक दिन नगर में आए गौतम बुद्ध

वैशाली में गौतम बुद्ध के प्रथम पदार्पण पर उनकी कीर्ति सुनकर उनके स्वागत के लिए सोलह श्रृंगार कर अपनी कई परिचारिकाओं सेविकाओं सहित आम्रपाली गंडक नदी के तट पर पहुंची। वे गौतम बुद्ध से मिलना चाहती थी। उसके वहां पहुंचते ही भिक्षुओं में हलचल मच गई।

बुद्ध ने भिक्षुओं को चेताया

कहते हैं कि आम्रपाली को देखकर बुद्ध को अपने शिष्यों से कहना पड़ा कि तुम लोग अपनी आंखें बंद कर लो या नीचे करलो, क्योंकि भगवान बुद्ध जानते थे कि आम्रपाली के सौंदर्य को देखकर उनके शिष्यों के लिए संतुलन रखना कठिन हो जाएगा। उसका वैराग्य खत्म हो जाएगा। वे मार्ग से भटक जाएंगे।

आम्रपाली ने किया बुद्ध का स्वागत

कहते हैं कि ज्ञान प्राप्ति के 5 वर्ष पश्चात भगवान बुद्ध का वैशाली आगमन हुआ और उनका स्वागत वहां की प्रसिद्ध राजनर्तकी आम्रपाली ने किया था। बौद्ध धर्म के इतिहास में आम्रपाली द्वारा अपने आम्रकानन में भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों को निमंत्रित कर भोजन कराने के बाद दक्षिणा के रूप में वह आम्रकानन भेंट देने की बड़ी ख्याति है।

भिक्षु पर मोहित हो गई आम्रपाली

यह भी कहते हैं कि आम्रपाली एक बौद्ध भिक्षु पर मोहित हो गई थी। आम्रपाली ने बौद्ध भिक्षु को ना केवल खाने पर आमंत्रित किया बल्कि 4 महीने के प्रवास के लिए भी अनुरोध किया था। बौद्ध भिक्षु ने उत्तर दिया कि वह अपने गुरू बुद्ध की आज्ञा के बाद ही ऐसा कर सकते हैं। कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने उस भिक्षु को 4 माह के लिए आम्रपाली के साथ रहने की अनुमति देदी। अंत में आम्रपाली ने गौतम बुद्ध से कहा कि मैं आपके भिक्षु को मोहित नहीं कर पाई और उनकी आध्यात्मिकता ने मुझे ही मोहित कर धम्म की राह पर चलने को विवश कर दिया है।

भिक्षुणी बन गई आम्रपाली

आम्रापानी ने गौतम बुद्ध के समक्ष भिक्षु बनने की इच्छा प्रकट की परंतु पहले तो बुद्ध ने इसके लिए इनकार कर दिया। हालांकि इस घटना के बाद ही बुद्ध ने स्त्रियों को बौद्ध संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी। आम्रपाली इसके बाद सामान्य बौद्ध भिक्षुणी बन गई और वैशाली के हित के लिए उसने अनेक कार्य किए। उसने केश कटा कर भिक्षा पात्र लेकर सामान्य भिक्षुणी का जीवन व्यतीत किया।

कांग्रेस चिंतन शिविर : हुड्डा बोले-

भाजपा के राज में किसानों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई, कर्ज दोगुना हो गया

उदयपुर

उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर (नव संकल्प शिविर) के बीच कर्ज माफी को लेकर हरियाणा के पूर्व ष्टरू व एग्रीकल्चर कमेटी के संयोजक भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने केंद्र सरकार को घेरा। चिंतन शिविर में एग्रीकल्चर पर बने ग्रुप ने ख्स्क्क पर कानून बनाने और किसान कर्ज माफी पर आयोग बनाने जैसे कई सुझाव दिए है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था वह तो पूरा नहीं किया, लेकिन किसानों पर कर्जा दोगुना हो गया। उन्होंने केंद्र से किसान कर्ज आयोग बनाने की भी मांग की। वहीं, एग्रीकल्चर कमेटी के मेंबर और छत्तीसगढ़ के मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसान न्याय योजना शुरू की गई है, इस योजना को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

कांग्रेस पर चिंतन

किसानों के कर्ज नहीं चुका पाने पर उसकी जमीन नीलाम नहीं हो। जिस तरह मुद्रा लोन में प्रावधान है, उसी तरह के प्रावधान किसानों पर लागू हों। हम किसान की कर्जा माफी से लेकर कर्जा मुक्ति तक जाएं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा
पूर्व सीएम हरियाणा

महंगाई की वजह यूक्रेन वॉर नहीं:- चिदंबरम ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई के लिए रूस-यूक्रेन वॉर को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकती। यूक्रेन वॉर से पहले ही तेल की कीमतें ज्यादा हैं। कीमतें ज्यादा होने का कारण पेट्रोल-डीजल पर हाई टैक्स है। आज महंगाई बढ़ रही है, लेकिन केंद्र की कोई तैयारी नहीं है।

एक्शन प्लान को सार्वजनिक होगा:- इधर, कांग्रेस में आगे आने वाले दिनों में बड़े बदलावों का खाका तैयार किया जा रहा है। उदयपुर में चल रहे चिंतन शिविर में आज दिन भर नेता अलग अलग ग्रुप में बैठकर बदलावों की सिफारिशों को फाइनल करेंगे। आज पूरे दिन केवल ग्रुप डिस्कशन चलेंगे, शाम तक नेता मंथन करेंगे।

किसान विरोधी है एक्ट- बाजवा

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रतापसिंह बाजवा ने कहा कि किसानों की सब्सिडी बढ़नी चाहिए। केंद्र सरकार ने कंपनियों से मिलीभगत करके फसल बीमा में किसानों की जगह कंपनियों को फायदा दिया है। अब नया इलेक्ट्रिसिटी एक्ट लेकर आ रही है वह किसान विरोधी है। इससे पहले पी चिंदबरम ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोला था। चिदंबरम ने कहा था कि कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियां देश हित में नहीं है। ल्स्ज्ञ के गलत इंप्लिमेंटेशन की वजह से राज्यों की हालत खराब हो गई है। राज्यों को ल्स्ज्ञ का पैसा समय पर नहीं दिया जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर केंद्र सरकार गलत कदम उठाते ही जा रही है।

सुनील जाखड़ ने छोड़ी कांग्रेस : पूर्व पंजाब प्रधान बोले-

चापलूसों से घिरा कांग्रेस नेतृत्व, अंबिका सोनी के बयान ने हिंदू-सिख को बांटा

पंजाब

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ ने कांग्रेस छोड़ दी है। शनिवार को फेसबुक लाइव के दौरान जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व चापलूसों से घिरा हुआ है। इसकी वजह से कांग्रेस का नुकसान हो रहा है। उन्होंने सोनिया गांधी को कहा कि वह पूरे देश में राजनीति करें, लेकिन पंजाब को बख्श दें। जाखड़ ने कहा कि आतंकवाद के दौर में और 1984 में जब ,च-47 भी पंजाब में धर्म और जात-पात का भेदभाव न कर सकी, उसे कांग्रेस नेता अंबिका सोनी ने चुनाव के वक्त कर दिया। जाखड़ ने कहा कि आज मुझे उदयपुर में कांग्रेस की हालत देख तरस आ रहा है। कितने नेता चीयरलीडर्स और कितने कड़वी और सच्ची बात कहेंगे? जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस का चिंतन शिविर सिर्फ एक फॉर्मेलिटी से ज्यादा नहीं।

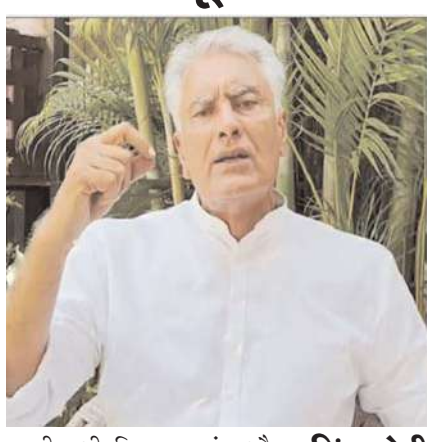

कांग्रेस खटिया पर आ गई है

हरीश रावत को कर्मो की सजा मिली

राहुल गांधी फैसले नहीं ले पा रहे

कांग्रेस का चिंतन शिविर फॉर्मेलिटी

हरीश रावत को किए की सजा मिली

जाखड़ ने कहा कि कांग्रेस को उम्मीद थी कि उत्तराखंड और पंजाब के अंदर पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। यहां कांग्रेस की सरकार बनेगी। ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या कोई बताएगा कि उत्तराखंड के ष्टरू प्रत्याशी हरीश रावत का एक पैर पंजाब और दूसरा देहरादून में था, क्या सोचकर रावत को प्रभारी बनाकर भेजा गया? क्या रावत की मंशा थी कि हम तो डूबे सनम और तुमको भी ले डूबेंगे। हरीश रावत को किए की सजा मिली।

चिंता होती तो उप्र की हार का विश्लेषण करते

जाखड़ ने कहा कि अगर वाकई चिंता होती तो कांग्रेस उत्तर प्रदेश में हार के लिए कमेटी बनाती। इसका कारण खोजती कि कैसे 403 में से 300 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार को 2 हजार वोट भी नहीं मिले। इससे ज्यादा वोट तो पंचायत के उम्मीदवार को ही मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसका जिम्मेदार उम्मीदवार नहीं बल्कि शीर्ष नेता और पार्टी नेतृत्व है, जिसने कांग्रेस की यह दुर्दशा की है।

ज्ञानवापी के 50 फीसदी हिस्से का सर्वे पूरा : पहले दिन 4 तहखानों की वीडियोग्राफी हुई, दीवारों की बनावट देखी; आज फिर होगा सर्वे

वाराणसी

वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में शनिवार को पहले दिन का सर्वे पूरा हो चुका है। सुबह 8 बजे शुरू हुआ सर्वे दोपहर 12 बजे तक, यानी 4 घंटे चला। इस दौरान करीब 50 फीसदी हिस्से का सर्वे हुआ। एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा के साथ वादी और प्रतिवादी पक्ष के 52 लोगों की टीम ने परिसर में 4 तहखानों के ताले खुलवाकर उसकी जांच की। टीम ने दीवारों की बनावट, खंभों की वीडियोग्राफी भी की। सर्वे का काम रविवार को फिर सुबह 8 बजे से होगा। कल ऊपर के कमरों का सर्वे होगा। सर्वे के लिए परिसर के अंदर गई पूरी टीम के मोबाइल बाहर ही जमा करा लिए गए थे। टीम को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सर्वे से जुड़ी कोई भी जानकारी बाहर नहीं आनी चाहिए। तहखानों की वीडियोग्राफी करके बाहर निकले फोटोग्राफर से जब मीडियाकर्मियों ने अंदर के बारे में पूछा तो उन्होंने कुछ भी बताने से साफ इंकार कर दिया।

500 मीटर तक पब्लिक-मीडिया सबकी एंट्री बंद

कोर्ट के सख्त आदेश को देखते हुए प्रशासन ने तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। ज्ञानवापी परिसर के चारों तरफ 500 मीटर तक पब्लिक और मीडिया की एंट्री बंद करा दी गई थी। सभी दुकानों को भी बंद करा दिया गया था। आसपास के घरों की छतों पर पुलिस जवान तैनात किए गए। एक किलोमीटर के दायरे में करीब 1500 से ज्यादा पुलिस-पीएसी के जवान तैनात रहे हैं।

दिल्ली की बिल्डिंग में आग:27 की मौत, 29 लापता

बढ़ सकता है मृतकों का आंकड़ा, बिल्डिंग मालिक हिरासत में

नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास तीन मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग से 27 लोगों की जलकर मौत हो गई। दमकल अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो गया है। उन्होंने दावा किया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो सकती है। टीम को घटनास्थल से कुछ अवशेष मिले हैं, जिनके शव होने का संदेह है। इसकी जांच कराई जा रही है। अगर संदेह सही साबित हुआ तो मृतकों की संख्या बढ़ जाएगी। अभी 27 लोगों की मौत की घोषणा की गई है, इनमें से 25 शवों की पहचान नहीं हो सकी है। हादसे में 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 29 लोग लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम इमारत के मालिक हरीश गोयल और वरुण गोयल को हिरासत में ले लिया। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मृतकों के परिजन को 10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रूस-यूक्रेन जंग में यूक्रेन का दावा-

इस साल के अंत तक जंग हार जाएगा रूस, पुतिन को हटाने के लिए तख्तापलट करने का काम जारी

कीव। रूस-यूक्रेन जंग को 79 दिन बीत चुके हैं। यूक्रेनी शहरों पर रूसी हमले अभी भी जारी हैं। इस बीच यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के चीफ ने दावा किया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का तख्तापलट करने का काम जारी है और इस साल के अंत तक रूस जंग हार जाएगा। मेजर जनरल किरीलो बुडानोव ने कहा कि अगस्त में इस लड़ाई में एक टर्निंग पॉइंट आएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन को ब्लड कैंसर है। इसे लेकर मेजर जनरल किरीलो बुडानोव ने कहा- लड़ाई इस साल के अंत तक खत्म हो जाएगी। इसके बाद रूस में सत्ता परिवर्तन होगा। इसकी प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। ब्रिटेन ने पुतिन की कथित गर्लफ्रेंड और पूर्व जिमनास्ट अलीना काबेवा पर पर प्रतिबंध लगाए हैं। साथ ही पूर्व पत्नी ल्यूडमिला ओचेरेत्नाया पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। पुतिन ने ओचेरेत्नाया से 2014 में तलाक ले लिया था। जपोरिजिया में रूसी सैनिकों ने 271 नागरिकों को कैद कर लिया है। इनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। इन्हें जबरन हिरासत में लिया जा रहा है और गड्ढे खोदने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

रूस ने फिनलैंड के लिए बिजली सप्लाई रोकी:- फिनलैंड के ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर फिंग्रिड ने शुक्रवार को बताया कि पेंमेट्स में समस्याओं की वजह से रूस ने फिनलैंड को बिजली की सप्लाई रोक दी है। रूसी बिजली कंपनी रॉ नॉर्डिक ने कहा कि उसे 6 मई के बाद से बिजली का भुगतान नहीं मिला है और ऐसा उसके 20 साल के व्यापारिक इतिहास में पहली बार हुआ है। हालांकि, फिनग्रिड के मुताबिक, फिनलैंड में बिजली की कमी नहीं है। हालिया सालों में हुआ रूसी इंपोर्ट फिनलैंड की कुल खपत का 10 फीसदी कवर ही करता है।

गुना में 3 पुलिसवालों की गोली मारकर हत्या

काले हिरण मारकर ले जा रहे शिकारियों से जंगल में मुठभेड़, एक्शन के लिए पुलिस को फ्री हैंड

गुना

गुना के आरोन में शिकारियों से हुई मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस टीम में शामिल ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। घटना शनिवार तड़के 3 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में शिकारी नौशाद मेवाती मारा गया। स्ढ्ढ राजकुमार जाटव के हाथ में गोली लगने के बाद भी उन्होंने कई राउंड फायर किए। घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। घटनास्थल पर देरी से पहुंचने पर ग्वालियर के ढ्ढव अनिल शर्मा को हटा दिया गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने तीनों पुलिसकर्मियों के परिवार को 1-1 करोड़ का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

राजकुमार जाटव, SI

नीरज भार्गव, आरक्षक

संतराम, आरक्षक

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अपराधियों की पहचान हो गई है। पुलिस फोर्स को भेजा गया है। जवाबी एक्शन के लिए पुलिस को फ्री हैंड दिया गया है। स्क्कराजीव कुमार मिश्रा का कहना है कि सगा बरखेड़ा की तरफ से बदमाशों के जाने की सूचना मिली थी। इनकी घेराबंदी के लिए 3-4 पुलिस टीम लगाई गई थीं। शहरोक के जंगल में 4-5 बाइक से बदमाश जाते हुए दिखे। पुलिस ने घेराबंदी की तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। हमले में सब इंस्पेक्टर राजकुमार जाटव, आरक्षक नीरज भार्गव और आरक्षक संतराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शिकारियों के पास से पांच हिरण और एक मोर के अवशेष जब्त किए हैं। पुलिस ने धरपकड़ में 10 से ज्यादा संदिग्धों को उठाया है। बजरंगगढ़ थाने से पूरी कार्रवाई की मॉनिटरिंग हो रही है। स्क्क खुद बजरंगगढ़ थाने में मौजूद हैं और टीम को लीड कर रहे हैं। लगभग 10 थानों की पुलिस और 100 के लगभग पुलिसकर्मी धरपकड़ में लगे हैं।

मप्र का नौगांव 48 डिग्री तापमान के साथ दुनिया का 7वां सबसे गर्म शहर

नई दिल्ली

देश में गर्मी का कहर जारी है। पिछले कई दिनों से पारा 40 डिग्री के पार बना हुआ है। मौसम विभाग ने शनिवार को कई शहरों के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी की है। विभाग का कहना है कि राजस्थान, दिल्ली, मप्र सहित कई शहरों में पारा 45 डिग्री के पार जाने की संभावना है। इससे लोगों को काफी परेशानी होगी। हालांकि, इस साल देश में मानसून के समय से पहले आने का अनुमान है।

मध्यप्रदेश: नौगांव दुनिया का 7वां सबसे गर्म शहर मध्यप्रदेश में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। शुक्रवार को प्रदेश का नौगांव 48 डिग्री तापमान के साथ दुनिया का 7वां सबसे गर्म शहर रहा। बीते 16 साल में ऐसा पहली बार है, जब मई का पहला पखवाड़ा इतना तपा है। मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को 27 जिलों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनमें भोपाल भी शामिल है।

दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट:- दिल्ली के कई इलाकों में आज भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। इसके चलते मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग का अनुमान है कि दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। हालांकि, अगले हफ्ते थोड़ी राहत दिल्ली वासियों को मिल सकती है।

उप्र के लोग गर्मी से परेशान

उप्र में भी भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आज राज्य में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। लखनऊ में आज का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

राजस्थान में आज पारा 48 डिग्री के पार

राजस्थान में शनिवार को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है, जबकि अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार जाएगा। इसके साथ ही मौसम विभाग ने कई जिलों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार को श्रीगंगानगर में पारा 48.1 और अजमेर में पारा 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन में भारत ने रचा इतिहास

73 साल में पहली बार थॉमस कप का खिताबी मुकाबला खेलेगी भारतीय टीम, रविवार को इंडोनेशिया से फाइनल

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने इतिहास रच दिया है। हमारी टीम ने प्रतिष्ठित थॉमस कप टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में भारत ने डेनमार्क को कड़े मुकाबले में 3-2 से हरा दिया। थॉमस कप का आयोजन 1949 से हो रहा है। यानी 73 साल में पहली बार भारतीय टीम खिताबी मुकाबला खेलेगी। आगे बढ़ने से पहले पोल में हिस्सा जरूर लें।

फाइनल में रविवार को इंडोनेशिया से भारत का मुकाबला होगा। सेमीफाइनल में पहुंचते ही भारत का मेडल पक्का हो गया था। भारतीय टीम पहली बार थॉमस या उबर कप में मेडल जीत रही है। महिला वर्ग में यह टूर्नामेंट उबर कप के नाम से खेला जाता है। भारतीय महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी थी।

एचएस प्रणय ने निर्णायक मुकाबले में दिलाई जीत

थॉमस कप के मुकाबले बेस्ट ऑफ 5 फॉर्मेट में होते हैं। यानी दो देशों की टीमों को आपस में पांच मैच खेलने होते हैं। डेनमार्क के खिलाफ सेमीफाइनल में पहले चार मैचों के बाद दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं। आखिरी मैच में भारत के एचएस प्रणय के सामने डेनमार्क की ओर से रासमुस गेमके थे। प्रणय ने यह मैच 1 घंटा, 13 मिनट में 13-21, 21-9, 21-12 से अपने नाम किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने कराई वापसी

दूसरा मुकाबला डबल्स का था। इसमें सात्विक साईराज रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने किम आस्त्रुप और मथियास क्रिस्टिएंसन को 1 घंटा, 18 मिनट में 21-18 21-23 22-20 से हरा दिया। तीसरा मुकाबला सिंगल्स का था। इसमें किदांबी श्रीकांत ने आंद्रेस एंटोनसन को 21-18 12-21 21-15 से हरा दिया।

चौथे मैच में मिली हार, फिर प्रणय ने फाइनल में पहुंचाया

हालांकि, चौथे मैच में भारत को हार मिली। कृष्णा प्रसाद गर्ग और विष्णुवर्धन गौड़ की जोड़ी को आंद्रेस स्कारुप और फ्रेडरिक सोगार्ड की जोड़ी ने 14-21 13-21 से हरा दिया। इसके बाद आखिरी मैच में प्रणय ने जीत हासिल कर भारत को पहली बार फाइनल में पहुंचा दिया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप : एशियाई मेडलिस्ट पूजा रानी क्वार्टर फाइनल में पहुंची; ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना का सफर समाप्त

नई दिल्ली

इस्तांबुल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की एशियाई चैम्पियन भारत की पूजा रानी ने एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं, टोक्यो ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (70 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री क्वार्टर फाइनल में फेयर चांस टीम की सिंडी नगाम्बा के हाथों 1-4 से हार मिली।

पूजा ने 81 वेट कैटगिरी के प्री क्वार्टर फाइनल में हंगरी की तिमिया नागी को 5-0 से हराया। पूजा ने शुरू से ही सही मौकों का फायदा उठाते हुए पंच लगाए। पहले राउंड में उन्होंने सभी जजों को प्रभावित किया। दूसरे राउंड में भी पूजा ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और एक बार फिर पूरे अंकों के साथ आगे आईं।

क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जेसिका बागले से मुकाबला

पूजा सोमवार को क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जेसिका बागले से भिड़ेंगी, जो बाई हासिल करके पहले ही अंतिम-8 में पहुंच गई हैं। यह मुकाबला जीतकर पूजा देश के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर सकती हैं।

शनिवार को भारत के दो मुकाबले होने हैं। 2017 वर्ल्ड युवा चैंपियन नीतू (48 किग्रा) और 2019 एशियाई चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मनीषा (57 किग्रा) इस दिन अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले

खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए नीतू का सामना स्पेन की लोपेज डेल अर्बोल से, जबकि मनीषा का सामना बुल्गारिया की स्वेतलाना स्टेनेवा से होगा।

73 देशों की बॉक्सर ले रहे हैं भाग

इस टूर्नामेंट में इस साल दुनिया भर के 73 देशों के रिकॉर्ड 310 बॉक्सर हिस्सा ले रहे हैं। 2019 में पिछली बार रूस में हुई चैंपियनशिप में भारत को एक सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल मिले थे।

बेंगलुरु की हार के दोषी हेजलवुड और सिराज

दोनों ने मिलकर 6 ओवर में लुटाए 100 रन, एक भी विकेट नहीं ले सके

नई दिल्ली

आपने अक्सर बल्लेबाजी के दौरान शतकीय साझेदारी के बारे में सुना होगा। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हुए मुकाबले में कुछ अलग देखने को मिला। गेंदबाजी के दौरान अगर टी-20 मुकाबले में 2 गेंदबाज मिलकर बगैर एक भी विकेट लिए 6 ओवर में 100 रन लुटा दें, तो फिर उस टीम की दशा समझी जा सकती है। बेंगलुरु को मिली करारी हार के लिए जोश हेजलवुड और मोहम्मद सिराज को मैच का विलेन माना जा सकता है।

कंगारू गेंदबाज पर टूट पड़े इंग्लिश बल्लेबाज

बेंगलुरु के तेज गेंदबाजी आक्रमण को लीड कर रहे जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में 16 की इकोनॉमी से 64 रन लुटा दिए। इस दौरान उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। दरअसल उनके सामने इंग्लैंड के 2 दिग्गज बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन पड़ गए। अब यह तो सब जानते हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों की ही तरह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली एशेज सीरीज में रोमांच अपने चरम पर होता है। कंगारू गेंदबाज को सामने देख कर दोनों ही बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दोनों ने हेजलवुड की गेंदबाजी की बखिया उधेड़कर रख दी।

लगातार स्लॉट में गेंदबाजी करते रहे हेजलवुड

हेजलवुड बेयरस्टो के स्लॉट में गेंद पटक रहे थे और वह छक्कों की बारिश कर रहे थे। कई बार तो ऐसा लगा कि हेजलवुड किसी क्लब क्रिकेट बॉलर की तरह गेंद डाल रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे गेंदबाज से बेंगलुरु ने ऐसी साधारण गेंदबाजी की उम्मीद नहीं की होगी।

जिस लेंथ पर उन्हें मार पड़ती, हेजलवुड उसी लेंथ पर अगली गेंद डाल देते। बेंगलुरु के पास बॉलिंग में विकल्प कम थे, इसलिए उन्हें जोश हेजलवुड के 4 ओवर का कोटा पूरा कराना पड़ा। इस दौरान पहले बेयरस्टो और उसके बाद लिविंगस्टोन ने जोश हेजलवुड का सारा जोश ठंडा कर दिया।

सिराज ने हेजलवुड का भरपूर साथ निभाया

दूसरी तरफ बेंगलुरु के द्वारा रिटेन किए गए मोहम्मद सिराज ने आज फिर साबित किया कि अभी उन्हें टी-20 क्रिकेट में भरोसेमंद गेंदबाज नहीं कहा जा सकता। जब एक छोर से हेजलवुड पर प्रहार हो रहा था, तो दूसरे छोर से सिराज पर कप्तान फाफ ने भरोसा जताया। सिराज ने कप्तान के भरोसे को चकनाचूर करते हुए 2 ओवर में 36 रन लुटा दिए। इस तरह दोनों गेंदबाजों ने पंजाब को बिना एक भी विकेट चटकाए 100 रनों का तोहफा दिया। पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों के धमाकेदार शॉट्स के बीच विराट कोहली के चेहरे की बेबसी महसूस की जा सकती थी। उन्हें एहसास था कि जिस आसानी से हेजलवुड और सिराज रन लुटा रहे हैं, वह दूसरी पारी में भारी पड़ सकते हैं। अगर दोनों गेंदबाजों की जुगलबंदी यूं ही बनी रही, तो 14 पॉइंट्स तक पहुंच चुकी बेंगलुरु के प्लेऑफ का सपना अभी भी चकनाचूर हो सकता है।

प्लेऑफ की रेस में लौटी पंजाब

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2022 में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 54 रनों की धमाकेदार जीत दर्ज की। इस नतीजे के साथ ही पंजाब की टीम प्ले-ऑफ की होड़ में वापस लौट आई है। पंजाब के 12 मैचों से 12 अंक हो गए हैं। बेंगलुरु के 13 मैचों से 14 अंक हैं और वह भी अंतिम चार की होड़ में बरकरार है।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 209 रन बनाए। लियाम लिविंगस्टन ने 42 गेंदों पर 70 और जॉनी बेयरस्टो ने 29 गेंदों पर 66 रन की पारी खेली। हर्षल पटेल ने चार विकेट लिए। जवाब में बेंगलुरु की टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी। ग्लेन मैक्सवेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। विराट कोहली फॉर्म में वापसी नहीं कर सके। वे 20 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब की ओर से कगिसो रबाडा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

पर्दे के पीछे बहुत मेहनत कर रहे हैं कोहली : हेसन

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी ने कहा है कि विराट कोहली को भरोसा है कि उनकी बड़ी पारी आसपास ही है। वहीं टीम के कोच माइक हेसन भी इस बड़ी पारी को लेकर काफ़ी आश्वस्त हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह बड़ी पारी बेंगलुरु के अंतिम मैच में कोहली के बल्ले से निकल सकती है। कोहली ने 2019 के अंत के बाद से ही कोई अंतर्राष्ट्रीय शतक नहीं लगाया है लेकिन टी20 में उनका प्रदर्शन और भी चिंताजनक है। इस सीज़न वह तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हो चुके हैं, दो बार रन आउट और शुक्रवार को गेंद उनके थाई पैड से लगकर शॉर्ट फ़ाइन लेग के हाथों में समा गई। आउट होने से पहले वह लय में नज़र आ रहे थे लेकिन इस तरीके से आउट होने के कारण वह बेहद निराश दिखे। मैच के बाद डुप्लेसी ने कोहली की फ़ॉर्म को लेकर कहा, वह इसका हल्का पक्ष देख रहे हैं। खेल ऐसे ही काम करता है, है ना? जब आप दबाव में होते हैं तो खेल आपको और दबाव में डालने के तरीके खोजता है। आपके हाथ में कड़ी मेहनत है, अच्छा अप्रोच बनाए रखें, सकारात्मक रहें यह जानते हुए कि एक बड़ी पारी आसपास ही है। आज शाम उन्होंने बेहद अच्छे शॉट्स खेले, जाहिर तौर पर वह अपनी पारी को आगे लेकर जाना चाहते थे। वह इसे अच्छे ढंग से नियंत्रित कर रहे थे। हर किसी के करियर में मुश्किल वक़्त आता है, लेकिन उनका आत्मविश्वास नहीं डगमगाया है। उन्हें भरोसा है कि एक बड़ी पारी उनके आसपास ही है। हेसन ने भी कोहली के दुर्भाग्य के संबंध में कहा, मुझे लगता है कि आज वह अच्छी लय में थे और आक्रामक भी लग रहे थे। मुझे लगा कि आज उनका दिन है लेकिन एक बार फिर...अगर गेंद थाई पैड के दूसरे हिस्से में लगती तो वह नीचे जाती और उन्हें सिंगल मिलता। हेसन यह भी मानते हैं कोहली के खेल के तरीके में कोई ग़लती नहीं है। हेसन से जब पूछा गया कि आख़िर ग़लती कहां हो रही है तब उन्होंने कहा, देखिए, आरसीबी के लिहाज़ से वह अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

निःस्वार्थी होने और ख़राब फ़ॉर्म से जूझने में फ़र्क होता है : जॉनी बेयरस्टो

बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ मैच में आने से पहले जॉनी बेयरस्टो के आईपीएल 2022 के आंकड़े आठ पारियों में 136 रन थे, जबकि उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 117.24 का था। इन आंकड़ों को देखकर आपको लग सकता है कि बेयरस्टो के लिए यह टूर्नामेंट शायद ख़राब जा रहा है। लेकिन यह बल्लेबाज़ ख़ुद ऐसा नहीं सोचता। बेंगलुरु के ख़िलाफ़ मैच में 29 गेंद पर 66 रन की मैच-जिताऊ पारी खेलने वाले बेयरस्टो ने कहा, निःस्वार्थी होने और ख़राब फ़ॉर्म होने में फ़र्क होता है। मैं इस बात से ख़ुश हूं कि मुझे जो भूमिका दी गई, मैं उस पर टीम के लिए खरा उतरा। पहले मुझे फ़िनिशर बनाया गया और अब मैं टीम के लिए ओपनिंग करके ख़ुश हूं। ऊपर बल्लेबाज़ी करना मुझे हमेशा अच्छा लगता है।

शुक्रवार को जो बेयरस्टो ने किया वह किसी सनसनी से कम नहीं है। उन्होंने पावरप्ले में 59 रन बनाए और बेंगलुरु के मुख्य गेंदबाज़ जॉश हेज़लवुड को निशाना बनाया। बेयरस्टो ने कहा, जब आपको अपने स्लॉट में गेंद मिलती है, तो आपको उसका फ़ायदा उठाना पड़ता है। अगर आप बाउंड्री लाइन पर कैच आउट होते हैं या फिर बाहरी किनारा देकर पवेलियन लौटते हैं, तो भी कोई बात नहीं। अगर आपका अच्छा दिन होता है, तो ख़राब दिन भी होता है। आज अच्छा दिन था और मुझे ख़ुशी है कि हम पावरप्ले का फ़ायदा उठा पाए। उन्होंने आगे कहा, टूर्नामेंट में हमारी आगे बढ़ने की प्रक्रिया अलग है। भले ही हमारे विकेट लगातार गुच्छों में गिर रहे हों, लेकिन हम हमेशा आक्रमण के लिए जाते हैं। ऐसा हमेशा नहीं हो पाता है, लेकिन टूर्नामेंट के एक बड़े हिस्से के दौरान हमने ऐसा करने की कोशिश की है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

दोहा डायमंड लीग के साथ एथलेटिक्स का सीजन शुरू:दुनिया का सबसे तेज एथलीट बनने के लिए वर्ल्ड और ओलिंपिक चैंपियन में होगी स्प्रिंट

दोहा

शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग की शुरुआत के साथ ही साल 2022 .का डायमंड लीग का सीजन शुरू हो गया। इस बार जुलाई में यूजीन (अमेरिका) में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप भी है। इसलिए सभी बड़े खिलाड़ी उसकी तैयारी के लिए डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2021 में होनी थी, लेकिन कोविड की वजह से एक साल टाल दी गई थी। दुनियाभर के एथलीट्स के लिए तीन साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। पिछले साल ओलिंपिक हुआ।

इस साल वर्ल्ड चैंपियनशिप, 2023 में बुडापेस्ट में भी वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2024 में पेरिस ओलिंपिक होगा। इसलिए खिलाड़ी चुनिंदा बड़े इवेंट्स में शिरकत कर इन मेजर टूर्नामेंट्स की तैयारी करेंगे। इस दौरान ट्रैक और फील्ड पर स्टार्स के बीच की राइवलरी भी दिखाई देगी। 100 मीटर में वर्ल्ड और ओलिंपिक चैंपियन के बीच एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ रहेगी तो महिला 200 मीटर में भी ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियन के बीच चुनौती रहेगी। जानते हैं ऐसी ही चार बड़ी राइवलरी के बारे में, जो इस बार एथलेटिक्स इंवेट्स में नजर आएंगी।

महिला 200 मीटर

वर्ल्ड चैंपियन डायना स्मिथ ने हेराह से 0.35 सेकंड ज्यादा समय लिया

टोक्यो ओलिंपिक में जमैका की एलेन थॉम्पसन हेराह ने स्प्रिंट का डबल-डबल बनाया था। उन्होंने रियो 2016 के बाद टोक्यो 2020 में भी 100-200 मीटर के गोल्ड जीते थे। टोक्यो में 21.53 सेकंड का समय निकाला था। उन्हें वर्ल्ड चैंपियन डायना एशर स्मिथ की चुनौती का सामना करना होगा। ब्रिटेन की स्मिथ ने दोहा 2019 में 21.88 सेकंड लेकर गोल्ड जीता था।

पुरुष 100 मीटर

वर्ल्ड चैंपियन कोलमैन ने जैकब्स से 0.04 सेकंड कम समय लिया था

दुनिया के सबसे तेज एथलीट बनने की रेस में वर्ल्ड चैंपियन क्रिस्टियन कोलमैन को ओलिंपिक चैंपियन मार्सेल जैकब्स से चुनौती मिलेगी। इटली के जैकब्स ने टोक्यो में 9.80 सेकंड का समय लेकर गोल्ड जीता था जबकि अमेरिका के कोलमैन दोहा 2019 में 9.76 सेकंड समय लेकर वर्ल्ड चैंपियन बने थे। कोलमैन पर घरेलू ट्रैक पर टाइटल बचाने का दबाव भी होगा।

न्यूज ब्रीफ

यूको बैंक का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में तीन गुना बढ़कर 312 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसके खराब ऋण (एनपीए) में कमी आने की वजह से मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा तीन गुना से अधिक बढ़कर 312.18 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही में यूको बैंक ने 80 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। यूको बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 4,362 करोड़ रुपए रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 4,637 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए बैंक का शुद्ध मुनाफा 930 करोड़ रुपए रहा, जो 2020-21 के 167 करोड़ रुपए के मुकाबले पांच गुना से अधिक है। बीते वित्त वर्ष के दौरान बैंक की कुल आय 18,082 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 17,870 करोड़ रुपए थी। मार्च 2022 के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) काफी कम होकर 7.89 प्रतिशत रह गई, जो मार्च 2021 के अंत तक 9.59 प्रतिशत थी। मूल्य के हिसाब से बैंक का सकल एनपीए 11,352 करोड़ रुपए से घटकर 10,237 करोड़ रुपए रह गया।

अप्रैल में वनस्पति तेल का आयात 13 फीसदी घटकर 9.12 लाख टन रहा

नई दिल्ली। खाद्य एवं अखाद्य तेलों सहित वनस्पति तेलों का आयात अप्रैल 2022 में 13 प्रतिशत घटकर लगभग 9.12 लाख टन रह गया। उद्योग जगत के आंकड़ों में बताया गया है कि इस गिरावट का कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) का आयात कम होना है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि अप्रैल 2022 में वनस्पति तेलों का आयात घटकर 9,11,846 टन रह गया जो अप्रैल 2021 में 10,53,347 टन का रहा था। खाद्य तेलों का आयात अप्रैल 2021 के 10,29,912 टन के मुकाबले घटकर अप्रैल 2022 में 9,00,085 टन रह गया। वहीं अखाद्य तेलों का आयात पहले के 23,435 टन से घटकर अप्रैल 2022 में 11,761 टन रह गया। अप्रैल के महीने में सीपीओ का आयात घटकर 4,14,829 टन रहे गया जो पिछले वर्ष के समान अवधि में 6,89,731 टन था। चालू तेल विपणन वर्ष (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) के दौरान की पहली छमाही के दौरान वनस्पति तेलों का आयात चार प्रतिशत बढ़कर 67,07,574 टन हो गया जो पिछले तेल विपणन वर्ष की समान अवधि में 64,28,350 टन था। तेल विपणन वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलता है।

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट सोना 1,234 और चांदी 3,246 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत यानी 9 मई को सोना 51,699 रुपए पर था जो अब 14 मई को 50,465 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,234 रुपए कम हुई है।

चांदी भी 59 हजार पर आई

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 62,352 रुपए पर थी जो अब 59,106 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,246 रुपए कम हुई है।

इस साल 55,000 के पार जा सकता है सोना

वित्त सलाहकार फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक बढ़ती महंगाई के चलते आने वाले दिनों में सोने में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। इसके चलते अगले 12 महीनों तक सोना कॉमेक्स पर 2050 डॉलर प्रति आउंस यानी 55320 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में ट्रेड कर सकता है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता के मुताबिक सोने में तेजी का रुख बरकरार रहने की उम्मीद है। इस साल यह 55,000 रुपए का आंकड़ा पार कर सकता है। इस लिहाज से भी सोने में निवेश का यह अच्छा समय है।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

अब देश के बाहर नहीं जाएगा गेंहू

भारत ने गेहूं के एक्सपोर्ट पर तुरंत प्रभाव से लगाई रोक

कीमत कंट्रोल करने के लिए सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली

गेहूं के बढ़ते दामों को देखते हुए भारत ने इसके एक्सपोर्ट (निर्यात) पर तुरंत प्रभाव से बैन लगा दिया है। आधिकारिक नोटिफिकेशन के मुताबिक, भारत ने बढ़ती घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के उपायों के तहत गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि भारत सरकार द्वारा किसी दूसरे देश की खाद्य जरूरत के लिए निर्यात की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा वो गेहूं निर्यात किए जा सकेगा जिनके आईसीएलसी जारी हैं, या शिपमेंट के लिए तैयार हैं।

33 रुपए प्रति किलो के पार हुआ आटा

लगातार महंगे हो रहे गेंहू के चलते खुदरा बाजार में आटा महंगा होता जा रहा है।

खुदरा बाजार में आटा का औसतन दाम करीब 33.14 रुपए प्रति किलो पर जा पहुंचा है। बीते एक सालों में आटा करीब 13 फीसदी महंगा हो चुका है। बीते साल 13 मई को आटा 29.40 रुपए प्रति किलो में मिल रहा था।

गेंहू के उत्पादन में गिरावट का अनुमान:- गेंहू की कीमतों में आने वाले दिनों में और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। 2021-22 के रबी सीजन में गेंहू का उत्पादन घटने का अनुमान है। सरकार ने खुद उत्पादन के अनुमान को घटा दिया है। इस वर्ष गर्मी के मौसम के जल्दी आने के चलते सरकार ने 111.32 मिलियन टन से उत्पादन के अनुमान को घटाकर 105 मिलियन टन (10.50 करोड़ टन) कर दिया है।

भारत 69 देशों को गेहूं निर्यात कर रहा

इस रोक से पहले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया था कि चालू वित्त वर्ष में गेहूं निर्यात 100 से 125 लाख टन को पार कर सकता है। इस बार गेहूं खरीदार देशों में नया नाम मिस्र का जुड़ा है। भारत अभी 69 देशों को गेहूं निर्यात कर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 69 देशों को 78.5 लाख टन गेहूं निर्यात किया।

कांग्रेस ने इस कदम को किसान विरोधी बताया

कांग्रेस ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के कदम को किसान विरोधी करार देते हुए दावा किया कि सरकार ने गेहूं की पर्याप्त खरीद नहीं की जिस कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई कि उसे निर्यात पर रोक लगानी पड़ी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा मानना है कि केंद्र सरकार पर्याप्त गेहूं खरीदने में विफल रही है।

खटाई में ट्विटर डील

एलन मस्क ने 44 अरब की डील को ऑन होल्ड घोषित किया

स्पैम अकाउंट कैलकुलेशन को वजह बताया

नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने कुछ दिन पहले 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदने की डील की थी। डील फाइनल होने से पहले मस्क ने ट्वीट करके बताया है कि डील को कुछ समय के लिए होल्ड पर रखा गया है। उनका कहना है कि ट्विटर पर स्पैम या फेक अकाउंट क्या वाकई 5 फीसदी से कम हैं, इसके सही कैलकुलेशन की डिटेल अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में ट्विटर ने अपनी फाइलिंग में बताया था कि 2022 की पहली तिमाही उसके मोनेटाइजेबल डेली एक्टिव यूजर्स में स्पैम अकाउंट की संख्या 5 फीसदी से कम हैं। कंपनी ने ये भी कहा था कि ये केवल अनुमान है और स्पैम अकाउंट की संख्या ज्यादा भी हो सकती है। डील होल्ड की जानकारी सामने आने के बाद ट्विटर के शेयर प्री मार्केट में 20 फीसदी से ज्यादा टूट गए।

अनुमान से ज्यादा हो सकते हैं स्पैम अकाउंट

ट्विटर ने कहा, हमने अकाउंट के सैंपल का इंटरनल रिव्यू किया है। इसमें अनुमान लगाया है कि 2022 की पहली तिमाही के दौरान स्पैम अकाउंट की संख्या mDAU के 5 फीसदी से कम है। स्पैम अकाउंट का हमारा अनुमान ऐसे अकाउंट की वास्तविक संख्या को सटीक रूप से नहीं दिखाता है। इसकी संख्या हमारे अनुमान से ज्यादा भी हो सकती है।

प्राथमिक क्षेत्रों को कर्ज देने के लिए एनबीएफसी को ऋण देना जारी रख सकते हैं बैंक : आरबीआई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे उधार देने के लिए बैंक एनबीएफसी को ऋण देना जारी रख सकते हैं। वाणिज्यिक बैंकों द्वारा एनबीएफसी को और लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) द्वारा एनबीएफसी-एमएफआई को उधार देने की सुविधा 31 मार्च 2022 तक उपलब्ध थी। यह सुविधा आगे चलकर कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को उधार देने के लिए थी। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा, ''कुछ खास प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को ऋण देने के लिए बैंकों और एनबीएफसी के बीच तालमेल को जारी रखने का निर्णय लिया गया है।%% बैंकों द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को दिए जाने वाले कुल ऋण का पांच प्रतिशत तक एचएफसी सहित एनबीएफसी को देने की इजाजत दी जाएगी। परिपत्र में कहा गया कि इन सीमाओं की गणना वित्त वर्ष की चार तिमाहियों के औसत के आधार पर की जाएगी, ताकि निर्धारित सीमा का पालन किया जा सके।

मारुति सुजुकी सोनीपत में लगाएगी नया संयंत्र, पहले चरण में करेगी 11,000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह हरियाणा में स्थापित किए जाने वाले अपने नए विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण में 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एमएसआई ने शेयर बाजार को नए विनिर्माण संयंत्र के बारे में जानकारी दी। इसके मुताबिक, कंपनी सोनीपत जिले के आईएमटी खरखोदा में 800 एकड़ जमीन के आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए कंपनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एचएसआईआईडीसी) के साथ करार किया है। कंपनी ने बताया कि नए संयंत्र का पहला चरण 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसकी उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई प्रति वर्ष की होगी। नए संयंत्र के निर्माण से जुड़ी प्रशासनिक मंजूरियां ली जानी अभी बाकी हैं। एमएसआई ने कहा कि वह संयंत्र के पहले चरण पर 11,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि सोनीपत विनिर्माण संयंत्र में भविष्य में क्षमता विस्तार के लिए भी जगह होगी। फिलहाल मारुति सुजुकी के दो संयंत्र हरियाणा एवं गुजरात में सक्रिय हैं जिनकी कुल क्षमता करीब 5.5 लाख इकाई प्रति वर्ष है।

एमएसआई के अध्यक्ष आर सी भार्गव ने कहा कि 11,000 करोड़ रुपए के निवेश में भूमि की लागत, प्रारंभिक उत्पादन लाइनों की स्थापना और अन्य सभी सहायक बुनियादी ढांचे की स्थापना शामिल है। भार्गव ने कोई वित्तीय ब्यौरा साझा किए बगैर कहा, ''हम आगे बढ़ने के साथ-साथ और निवेश करेंगे।%% उन्होंने कहा कि इस संयंत्र से कंपनी को आने वाले समय में बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह पूछने पर कि क्या नया संयंत्र कंपनी के गुरुग्राम स्थित संयंत्र की जगह लेगा, भार्गव ने कहा, ''यह नया संयंत्र तैयार हो रहा है, और यह अब से लेकर 2025 तक पैदा हुई मांग को पूरा करेगा। मुझे नहीं पता कि उसके आगे मांग कैसी होगी। हम गुरुग्राम संयंत्र को तभी बंद कर सकते हैं, जब मांग नहीं बढ़ेगी और हमें अतिरिक्त क्षमता की जरूरत नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भविष्य में बाजार की वृद्धि से संबंधित अनिश्चितताओं के कारण दीर्घकालिक योजनाओं को साझा करना संभव नहीं है। कंपनी ने पहले संकेत दिया था कि नया संयंत्र गुरुग्राम संयंत्र की जगह ले लेगा, जो गंभीर भीड़ के मुद्दों का सामना कर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या नए संयंत्र का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण में किया जा सकता है, भार्गव ने कहा कि ऐसा हो सकता है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)